दिल्ली
अधिकतम तापमान 32 डिग्री
न्यूनतम तापमान 27 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 31 डिग्री
न्यूनतम तापमान 26 डिग्री
गुरुवार 21 अगस्त 2025
सूर्योदय प्रातः 05:54 बजे
सूर्यास्त सांय 18:55 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 306 | गाजियाबाद, गुरुवार 21 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online
www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

राधाकृष्णन ने उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उप राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस एतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री उप राष्ट्रपति उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के प्रश्तावक बने। इस अवसर पर उनके साथ श्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और राजग सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेता तथा जनता दल यूनाइटेड से ललन सिंह और संजय झा, लोजपा (रामविलास) से चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के अलावा और भी कई केन्द्रीय मंत्री मौजूद थे। श्री राधाकृष्णन का नामांकन चार सेटों में दाखिल हुआ है। जिनमें से प्रत्येक पर 20 प्रश्तावकों और 20 अनुमोदकों के हश्ताक्षर हैं। पहले सेट में मुख्य प्रश्तावक के रूप में प्रधानमंत्री मोदी के हश्ताक्षर हैं, जबकि बाकी सेटों में केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ राजग नेताओं के हश्ताक्षर हैं, जो गठबंधन में व्यापक सहमति को दर्शाता है।

कोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति मामले में तमिलनाडु के मंत्री के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने 2.1 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति के मामले में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता और तमिलनाडु के मंत्री आई. पेरियासामी तथा उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ विशेष अदालत में जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए. जी. मसीह की पीठ ने 18 अगश्त को इस मामले में नोटिस भी जारी किया। पीठ ने कहा, ''डिंडीगुल में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम मामलों के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सह विशेष न्यायाधीश के समक्ष लंबित कार्यवाही पर रोक रहेगी।'' शीर्ष अदालत ने यह आदेश पेरियासामी की उस अपील पर दिया जिसमें उन्होंने 28 अप्रैल के मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें विशेष अदालत को उनके और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया गया था।

वरिष्ठ पत्रकारों को तलब करना निंदनीय, असम फिर 'गलत कारणों' से खबरों में : गौरव गोगोई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने राजद्रोह के आरोप में दर्ज एक मामले में असम पुलिस द्वारा दो वरिष्ठ पत्रकारों को तलब किए जाने की निंदा करते हुए बुधवार को कहा कि राज्य 'एक बार फिर गलत कारणों से खबरों में है' और प्रदेश 'लालच, भ्रष्टाचार, अक्षमता और अराजकता' से घिरा हुआ है। गोगोई ने असम पुलिस द्वारा राजद्रोह के आरोप में दर्ज एक मामले में वरिष्ठ पत्रकार सिद्धार्थ वरदराजन और करण थापर को तलब किए जाने पर कहा कि यह 'असम का तरीका' नहीं है और राज्य के लोग ऐसा नेतृत्व चाहते हैं जो 'उनके सपनों का असम' बनाए। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, 'एक और दिन, एक और कारण, जब असम गलत कारणों से खबरों में है। लालच, भ्रष्टाचार, अक्षमता और अराजकता। यह असम का तरीका नहीं है। असम के लोग ऐसा नेतृत्व चाहते हैं जो उनके सपनों का असम बनाए।'

राज्य सरकारों को 'गिराने' के लिए विधेयक ला रही है केंद्र सरकार : तृणमूल कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने बुधवार को सरकार पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को राज्य सरकारों को ''सीधे गिराने'' की अनुमति देने के लिए नए विधेयक लाने का आरोप लगाया।

विपक्ष के हंगामे में 3 विधेयक नहीं हो पाये लोस में पेश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोक सभा में बुधवार को 130वें संविधान संशोधन विधेयक और दो अन्य विधेयकों को गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश करने की अनुमति मांगने के दौरान विपक्षी सदस्यों ने भारी हंगामा किया, जिसके कारण इन्हें पेश नहीं किया जा सका और कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

श्री शाह ने अपराह्न दो बजे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन अधिनियम 1963 का और संशोधन करने वाले संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक 2025, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 का और संशोधन करने वाले जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 पेश करने का प्रश्ताव किया। हंगामे के बीच ही कुछ सदस्यों ने इन विधेयकों पर कड़ी आपत्ति करते हुए अपने विचार रखे।

आल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुस्लिमीन के असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि ये विधेयक निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने के लिए लाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन विधेयकों के अमल में आने पर नौकरशाही विधायिका काम करने लगेगी। कांग्रेस के मनीष तिवारी ने इन्हें संविधान के मूल ढांचे और संसदीय लोकतंत्र के खिलाफ बताया और कहा कि इनका राजनीतिक दुरुपयोग होगा। उनका कहना था कि ये विधेयक इस सिद्धांत का उल्लंघन करते हैं कि बेगुनाह साबित होने तक कोई दोषी नहीं होता।

रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के एन के प्रेमचंद्रन ने कहा कि सरकार ने विधेयकों को लाने में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया है। उन्होंने सवाल किया कि विधेयक इतनी जल्दबाजी में लाने की क्या जरूरत है और आरोप लगाया कि यह सरकार विपक्ष शासित राज्यों को अस्थिर करना चाहती है। इस पर गृह मंत्री ने कहा कि विधेयकों को जल्दबाजी में लाने की बात ठीक नहीं है क्योंकि वह इन्हें संसद की संयुक्त समिति को सौंपने का अनुरोध करने वाले हैं।

कांग्रेस के के सी वेणुगोपाल ने विधेयकों को संघीय ढांचे के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि श्री शाह को गुजरात में गृह मंत्री रहते हुए गिरफ्तार किया गया था। इस पर श्री शाह ने कहा कि उन पर झूठे आरोप लगाये गये थे और फिर भी उन्होंने गिरफ्तारी से पहले इश्तीफा दे दिया था और नैतिकता के नाते न्यायालय से बरी होने तक कोई संवैधानिक पद नहीं लिया, वह चाहते हैं कि नैतिकता बढ़े।

समाजवादी पार्टी के धर्मेन्द्र यादव ने इन विधेयकों को न्याय और संविधान विरोधी बताया। इसके बाद अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही श्री शाह को विधेयक पेश करने को कहा, तभी कुछ विपक्षी सदस्य सत्ता पक्ष की ओर चले गये और गृह मंत्री की तरफ कागज फाड़कर फेंके। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आगे बढ़कर विपक्षी सदस्यों को रोकने की कोशिश की। इस पर सदस्यों के बीच नोंकझोंक भी हुई। हंगामा बढ़ता देश अध्यक्ष ने कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जनसुनवाई के दौरान हुआ हमला

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के समय मुख्यमंत्री गुप्ता आम लोगों की शिकायतें सुन रहीं थीं। एक शख्स भी अपनी शिकायत लेकर वहां पहुंचा और उसने श्रीमती गुप्ता पर हमला कर दिया। उसके इस हमले की वजह का फिलहाल पता नहीं चला है।

पुलिस हमलावर शख्स को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा "दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध की जगह होती है, लेकिन हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है।"

उन्होंने कहा "उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस, दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। आशा है मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।"

जीएसटी सुधार आम आदमी, किसान, मध्यम वर्ग, छोटे कारोबारियों के फायदे के लिए : सीतारमण

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के युक्तिकरण का उद्देश्य आम आदमी, किसान, मध्यम वर्ग और एमएसएमई को अधिक राहत प्रदान करना है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि इसके साथ ही इसके माध्यम से अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को और सरलीकृत, पारदर्शी और विकासोन्मुखी करने का प्रयास है। उन्होंने जीएसटी परिषद द्वारा क्षतिपूर्ति उपकर, स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा, तथा दरों के युक्तिकरण पर गठित मंत्रिसमूहों (जीओएम) को संबोधित करते हुये यह बात कही।बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री, गोवा के मुख्यमंत्री, बिहार के उपमुख्यमंत्री और तीनों जीओएम में शामिल राज्यों के वित्त मंत्री भी उपस्थित थे। केंद्र सरकार सहकारी संघवाद की भावना के साथ अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को लागू करने के लिए आने वाले हफ्तों में राज्यों के साथ व्यापक सहमति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दो दिन की इस बैठक में मंत्रियों के ये समूह जीएसटी दरों के सरलीकरण, बीमा पर जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर के साथ कर प्रणाली में अगली पीढ़ी के सुधारों पर चर्चा करेंगे। जीएसटी में सुधार लाने के लिए कर की दरों को घटा कर दो स्लैब में पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत करने की योजना है। कुछ अहितकर वस्तुओं पर केंद्र ने ऊंची (40 प्रतिशत) दर का भी प्रस्ताव किया है। अभी जीएसटी में पांच, 12,18 और 28 प्रतिशत की दर से कर लगता है। आवश्यक वस्तुएं शून्य या पांच प्रतिशत के दायरे में हैं।

वित्त मंत्री ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि जीएसटी व्यवस्था में प्रश्तावित सुधारों से ग्राहकों के सामर्थ्य में वृद्धि होगी, उपभोग को बढ़ावा मिलेगा और आवश्यक एवं आकांक्षी वस्तुओं को व्यापक जनसंख्या तक अधिक पहुँच प्राप्त होगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए दिवाली तक देश को जीएसटी में सुधार का तोहफा देने की घोषणा की थी।

हॉकी इंडिया ने हीरो एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

हॉकी इंडिया ने बुधवार को आगामी हीरो पुरुष एशिया कप के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में 18 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की।

यह टूर्नामेंट 29 अगश्त से सात सितंबर तक बिहार के हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जायेगा। एफआईएच हॉकी विश्वकप बेल्जियम-नीदरलैंड 2026 के लिए क्वालीफायर टूर्नामेंट में भारत को जापान, चीन और कज़ाकिश्तान के साथ पूल ए में रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 29 अगश्त को चीन के खिलाफ करेगा, उसके बाद 31 अगश्त को जापान और एक सितंबर को कजाकिश्तान से भिड़ेगा।

इस टूर्नामेंट के लिए अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह भारतीय टीम की कप्तान करेंगे। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी भरोसेमंद कृष्ण बी पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और अमित रोहिदास के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह भी शामिल होंगे, जो रक्षात्मक पंक्ति को मजबूती प्रदान करेंगे।

मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह शामिल हैं। आक्रमण की अगुवाई मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह करेंगे, जो विपक्षी डिफेंस को परेशान करने के लिए भरपूर क्षमता प्रदान करेंगे।

इस बीच, नीलम संजीव जेस और सेल्वम कार्ति को वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है।

टीम चयन को लेकर भारतीय पुरुष टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, "हमने एक अनुभवी टीम चुनी है जो समझती है कि उच्च दबाव वाली परिस्थितियों में कैसा प्रदर्शन करना होता है। एशिया कप हमारे लिए बेहद अहम है क्योंकि विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दांव पर है, इसलिए हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत थी जिनमें धैर्य, लचीलापन और प्रदर्शन करने का हुनर हो। यह चयन हमारी मंशा को दर्शाता है एक ऐसी टीम तैयार करना जो मजबूती से मुकाबला कर सके और हमारे मुख्य उद्देश्य को हासिल कर सके।"

आयुष उद्योग 200 अरब डॉलर के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है : जाधव

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि अनुसंधान परिषदों, वैधानिक निकायों और राष्ट्रीय संस्थानों के एक मजबूत नेटवर्क की मदद से आयुष उद्योग 200 अरब डॉलर के लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने यह बात मंगलवार को यहां आयुष मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में कही।

राजीव ने अमेरिका और चीन से भारत के संबंध मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : रमेश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सॉफ्टवेयर क्षेत्र में भारत की प्रगति और अमेरिका व चीन से संबंधों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को बुधवार को याद किया।

राजीव गांधी की 81वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि लगभग 40 वर्ष पहले गांधी ने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन से मुलाकात की थी, जिसके बाद भारत-अमेरिका संबंधों में बड़ा परिवर्तन आया था।

उन्होंने कहा, 'यही वह यात्रा थी जिसके परिणामस्वरूप बेंगलुरु में टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स के अनुसंधान एवं विकास केंद्र की स्थापना हुई। यह वैश्विक श्तर पर भारत की सॉफ्टवेयर क्षमताओं के उदय में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। तीन साल बाद जीई ने भी इसकी स्थापना की। आज भारत में ऐसे कई केंद्र हैं जिन्हें वैश्विक क्षमता केंद्रों का नाम दिया गया है।'

रमेश ने आगे कहा, 'दिसंबर 1988 में राजीव गांधी की चीन की ऐतिहासिक यात्रा ने दोनों देशों के संबंधों को पूरी तरह से बदल दिया। उनके और चीनी नेता देंग शियाओपिंग के तय किए गए राश्ते को चीन ने मई-जून 2020 में एकतरफा तरीके से नष्ट कर दिया। दुर्भाग्य की बात है कि 19 जून, 2020 को प्रधानमंत्री मोदी ने इसके लिए चीन को क्लीन चिट दे दी।' राजीव गांधी 1984 से 1989 तक देश के प्रधानमंत्री रहे।

प्रधानमंत्री, राहुल गांधी समेत कई कांग्रेसी नेताओं ने राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई कांग्रेसी नेताओं ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी 81वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

अपने पिता को श्रद्धांजलि देते हुए राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''एक ऐसा भारत – जहां हर नागरिक को सम्मान मिले, जहां सद्भावना हो, लोकतंत्र और संविधान से देश मजबूती से खड़ा हो। पापा, आपके देखे इस सपने को पूरा करना ही मेरा जीवन लक्ष्य है।''

वीरभूमि स्थित राजीव गांधी के स्मारक पर अपने परिवार के साथ मौजूद रहीं प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''विरासत में आप से करुणा, प्रेम और देशभक्ति का धर्म मिला। हम दोनों हमेशा के लिए ये धर्म निभायेंगे। न कोई तोड़ पाएगा, न कोई रोक पाएगा, न कभी हमारे कदम लड़खड़ायेंगे।'' अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने राजीव गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में उनके स्मारक वीरभूमि पर एक स्मृति कार्यक्रम का भी आयोजन किया, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे, के.सी. वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी वाद्रा शामिल हुए। बाद में, संविधान सदन (पुराना संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने राजीव गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित कई अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

पीएम ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''आज पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि आर्पित करता हूं।'' खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज सद्भावना दिवस के मौके पर हम राजीव गांधी को याद कर रहे हैं। वह एक ऐसे उत्कृष्ट नेता थे जिन्होंने करोड़ों लोगों में उम्मीद जगाई और भारत को 21वीं सदी में आगे बढ़ाया।''उन्होंने कहा कि राजीव गांधी की विरासत का उदाहरण भारत के लिए उनकी अनगिनत उपलब्धियां हैं जिनसे देश में बड़े और परिवर्तनकारी बदलाव आए। खरगे ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''मतदान की आयु घटाकर 18 वर्ष करना, पंचायती राज को मजबूत करना, दूरसंचार और आईटी क्रांति, कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रम, निरंतर शांति समझौते, महिला सशक्तीकरण, सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम और समावेशी शिक्षा पर जोर देने वाली नई शिक्षा नीति जैसे राजीव गांधी जी के अभूतपूर्व कदम देश में परिवर्तनकारी बदलाव लेकर आए।''

SC में प. बंगाल के शिक्षण, गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति संबंधी याचिकाएं खारिज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में करीब 24,000 सहायक शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियां रद्द करने के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार और अन्य की दायर समीक्षा याचिकाएं खारिज करते हुए तीन अप्रैल, 2025 का अपना फैसला बरकरार रखा। जज पी वी संजय कुमार और जज सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने पुनर्विचार याचिकाएं खारिज कीं।

पीठ इसे सुनवाई योग्य नहीं मानते हुए कहा, 'वश्तुतः पूरे मामले की गुण-दोष के आधार पर पुनः सुनवाई की मांग वाली ये पुनर्विचार याचिकाएं विचार करने लायक नहीं हैं, क्योंकि सभी प्रासंगिक पहलुओं की पहले ही जांच और व्यापक विचार किया जा चुका है। इसलिए पुनर्विचार याचिकाओं को खुली अदालत में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के आवेदन अस्वीकार किए जाते हैं।'

शीर्ष अदालत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने तीन अप्रैल को कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा था, जिसमें सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा नौ से 12 तक के सहायक शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की 2016 की पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया था। पश्चिम बंगाल अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित इस भर्ती प्रक्रिया के तहत लगभग 24,000 नियुक्तियों को हाई कोर्ट ने अमान्य घोषित कर दिया था।

गौकशी करने वाले आरोपियो में मुठभेड़ में एक घायल, तीन फरार

✷ एनसीआर टुडे. शेरकोट ✷

गौकशी की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम और आरोपियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक आरोपी मकसूद के पैर में गोली लगी, उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जबकि उसके तीन साथी भूरा, शाहरुख और सलीम मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने मौके से लगभग 50 किलो गौमांस,छुरी, तराजू,एक तमंचा 315 बोर, 2 जिंदा कारतूस व 1 खोखा बरामद किया। थानाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह के अनुसार, मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली कि महमदाबाद के जंगल में कुछ लोग गौकशी कर रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को घेरने की कोशिश की, तो उन्होंने फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक आरोपी घायल हो गया।पूछताछ में घायल आरोपी ने अपना पता मकसूद पुत्र मकबूल निवासी ग्राम महमदाबाद बताया तथा कहा कि वह और उसके साथी घुमंतू गौवंश को जंगल से पकड़कर काटते थे।

मांस बेचते और अवशेष छिपा देते थे । पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

बाइक भिड़ंत में युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. शेरकोट ✷

सोमवार की देर रात दो बाइकों की भिड़ंत में मोहल्ला खुराडा निवासी आकिब पुत्र दिलशाद (34 वर्ष)की मौत हो गई। आकिब टेम्पू स्टैंड से बाइक द्वारा अपने घर जा रहा था कि पंजाब नेशनल बैंक के नजदीक पीछे से आ रहे एक अन्य बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से आकिब की बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया।

राहगीरों ने घायल के परिजनों को सूचना देते हुए उसे उपचार के लिए सीएचसी भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रैफर कर दिया गया। परिजन घायल को उपचार के लिए मुरादाबाद ले जा रहे थे कि राश्ते में उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से उसके परिजनों में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष पुष्पेंद्र कुमार ने घटना के बारे में अनभिज्ञता प्रकट की।

नगला पटवारी में ट्रक ने युवक को रौंदा : मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना क्वार्सी क्षेत्र नगला पटवारी में एक ट्रक की चपेट में आकर एक युवक की कुचल जाने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद भाग रहे ट्रक चालक लोगों ने पकड लिया और बाद में जिसे पुलिस के हवाले कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रियाज कॉलोनी निवासर आमिर पुत्र इस्माईल मंगलवार की सांय 5 बजे के करीब टिर्री में बैठकर अपने रिश्ते दार के यहां से आ रहा था। जब वह टिर्री से उतर कर सड़क पार कर रहा था, तभी तीव्र गति से आ रहे ट्रक चालक ने रौंद डाला। बताते हैं कि आमिर पर ट्रक का पहला पहिया और बाद में दूसरा पहिया भी उतर गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद लोग एकत्रित हो गये, जिन्होने भागते ट्रक चालक को पकड़ लिया। जिसे बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में ले यिा और अंतिम परीक्षण हेतु पोस्टमार्टम ग्रह भेज दिया है।

एएमयू कोर्ट में दो नये सदस्य नामित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के इस्लामिक स्टडीज विभाग के अध्यक्ष प्रो. अब्दुल हामिद फाजली और पश्चिम एशियाई एवं उत्तरी अफ्रीकी अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. मोहम्मद अजहर को रोटेशन आधार पर वरिष्ठ अध्यक्षों के क्रम में एएमयू कोर्ट का सदस्य घोषित किया गया है। इन सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष या संबंधित विभागों के अध्यक्ष बने रहने तक होगा।

होटल के पीछे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना गोरई क्षेत्र में स्थित मंगलायतन विश्वविद्यालय के सामने एक होटल के पीछे अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। शव की जांच से पता चला है कि यह लगभग चार दिन पुराना है। मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष आंकी गई है।

सूचना मिलते ही गोरई थाने के इंस्पेक्टर रंजीत कटारा मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मॉर्च्युरी भेज दिया है। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लोगों से संपर्क कर शव की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

इंस्पेक्टर रंजीत कटारा ने बताया कि स्थानीय लोगों से मिली सूचना के आधार पर शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

कर्नाटक में एससी आरक्षण में बड़ा बदलाव, तीन भागों में बंटी अनुसूचित जातियां

बेंगलुरु, एजेंसी। हरियाणा की तर्ज पर अब कर्नाटक में भी आरक्षण के कोटे में कोटा लागू किया जाएगा। कर्नाटक सरकार ने अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए आंतरिक आरक्षण लागू करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह निर्णय लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के लिए लिया गया है, खासकर एससी लेफ्ट (मदिगा) और एससी राइट (होलेया) समुदायों की मांगों को ध्यान में रखते हुए। नए फॉर्मूले के तहत, 17 प्रतिशत आरक्षण में से छह प्रतिशत एससी लेफ्ट समुदाय, छह प्रतिशत एससी राइट समुदाय और पांच प्रतिशत लंबानी, भोवी, कोरचा, कोरमा जैसी अन्य उप-जातियों के लिए निर्धारित किया गया है।

यह निर्णय जस्टिस एच.एन. नागमोहन दास आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। आयोग ने छह प्रतिशत एससी लेफ्ट, पांच प्रतिशत एससी राइट, चार प्रतिशत लंबानी, भोवी, कोरमा और कोरचा जैसी स्पृश्य जातियों और एक प्रतिशत प्रत्येक खानाबदोश समुदायों जैसे आदि कर्नाटक, आदि द्रविड़ और आदि आंध्र के लिए सुझाया था। हालांकि, मंत्रिमंडल ने खानाबदोश और आदि कर्नाटक, आदि द्रविड़, आदि आंध्र के लिए अलग एक प्रतिशत आरक्षण को हटाकर तीन श्रेणियों का नया मैट्रिक्स स्वीकार किया।

यह कदम सुप्रीम कोर्ट के 1 अगस्त 2024 के फैसले के बाद संभव हुआ, जिसमें राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने की शक्ति दी गई थी। कर्नाटक में अनुसूचित जातियों की 101 उप-जातियां हैं, जिनमें मदिगा (एससी लेफ्ट) और होलेया (एससी राइट) प्रमुख हैं। मदिगा समुदाय ने लंबे समय से तर्क दिया है कि वे सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हैं और मौजूदा आरक्षण का लाभ मुख्य रूप से स्पृश्य जातियों और होलेया समुदाय को मिलता है। नागमोहन दास आयोग ने मई से जुलाई 2025 तक व्यापक सर्वेक्षण किया, जिसमें कर्नाटक की अनुमानित 1.16 करोड़ अनुसूचित जाति आबादी में से 93 प्रतिशत को शामिल किया गया। इस सर्वेक्षण में 27.24 लाख परिवारों से 1.07 करोड़ लोगों के आंकड़े एकत्र किए गए। आयोग ने 4 अगस्त को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को अपनी 1,766 पृष्ठों की रिपोर्ट सौंपी, जिसे 7 अगस्त को मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मंत्रिमंडल ने आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार किया, लेकिन इसमें कुछ बदलाव किए। नए फॉर्मूले के तहत, 17 प्रतिशत आरक्षण में से एससी (दक्षिणपंथी) और एससी (वामपंथी) को 6-6 प्रतिशत, जबकि स्पृश्य दलित समुदायों (लंबानी, भोवी, कोरमा और कोरचा) और अति पिछड़े तथा खानाबदोश समुदायों को 5 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। हालांकि, कुछ समुदायों ने इस फैसले का विरोध किया है। लंबानी और भोवी जैसे स्पृश्य समुदायों ने पांच प्रतिशत आरक्षण को अपर्याप्त बताते हुए इसे छह प्रतिशत करने की मांग की है। खानाबदोश समुदायों ने एक प्रतिशत अलग आरक्षण हटाने पर नाराजगी जताई है। कैबिनेट की बैठक के बाद विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि मंत्रिमंडल की बैठक सार्थक रही।

फरीदाबाद में 100 झुग्गियों पर बुलडोजर ऐक्शन, बाजार की जमीन से अतिक्रमण हटाया गया

फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने बाजार के लिए प्रस्तावित जमीन से अतिक्रमण हटाया। इस बाजार की जमीन पर अवैध रूप से सब्जीमंडी लगाई जा रही थी। इसके अलावा करीब 100 झुग्गियां, एक मीट शॉप और एक ढाबा का संचालन हो रहा था। आसपास लगते गांव के कुछ लोग इस सब्जीमंडी और झुग्गियों से किराया वसूल रहे थे।

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) ने सेक्टर-52 में बाजार विकसित करने की तैयारी शुरू कर दी। मंगलवार को प्रस्तावित बाजार की जमीन पर हुए अवैध निर्माण पर विरोध के बीच बुलडोजर चलाया गया। एचएसवीपी ने गुरुग्राम-मानेसर विकास योजना के तहत सेक्टर-52 में 2.89 एकड़ में बाजार प्रस्तावित किया हुआ है।

इस बाजार की जमीन पर अवैध रूप से सब्जीमंडी लगाई जा रही थी। इसके अलावा करीब 100 झुग्गियां, एक मीट शॉप और एक ढाबा का संचालन हो रहा था। आसपास लगते गांव के कुछ लोग इस सब्जीमंडी और झुग्गियों से किराया वसूल रहे थे। इनके कारण गंदगी की भरमार हो गई थी। इससे सेक्टरवासी बेहद परेशान थे। सेक्टर निवासियों ने इस सिलसिले में एचएसवीपी प्रशासक वैशाल सिंह और संपदा अधिकारी दो अनुपमा मलिक से शिकायत दी थी।

इनके आदेश के बाद जीएमडीए ने दो दिन पहले इस सेक्टर में मुनादी करवाकर जमीन को खाली करवाने के आदेश जारी किए थे। मंगलवार को ड्यूटी मैजिस्ट्रेट एचएसवीपी के उपमंडल अभियंता ज्ञानचंद सैनी के नेतृत्व में तोड़फोड़ दस्ता बुलडोजर लेकर पहुंच गया। उपमंउल अधिकारी योगेश कुमार ने बताया कि झुग्गियां, दुकान और मंडी हटाने के लिए दो घंटे का समय दिया गया। इसके बाद तोड़फोड़ शुरू कर दी।

सीबीआई करेगी शिक्षिका मनीषा मौत मामले की जांच

भिवानी, एजेंसी। हरियाणा के भिवानी जिले में शिक्षिका मनीषा की संदिग्ध मौत की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि भिवानी की बेटी मनीषा और उनके परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन पूरी गंभीरता और पारदर्शिता से काम कर रहे हैं। सीएम सैनी ने कहा कि वे खुद इस मामले पर नजर रखे हुए हैं। परिवार की मांग को ध्यान में रखते हुए, हरियाणा सरकार ने निष्पक्ष जांच के लिए यह केस सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है।

मनीषा भिवानी के ढाणी लक्ष्मण गांव की निवासी थी और एक प्राइवेट प्ले स्कूल में टीचर थी। 13 अगस्त को उसका शव सिंघानी गांव के खेतों में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। शव की हालत बेहद खराब थी, गला रेता हुआ था और गर्दन की त्वचा, मांसपेशियां-हड्डियां गायब थीं। रेप की आशंका के चलते सैंपल फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। 14 अगस्त को मनीषा के परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया और पुलिस पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद यह मामला चर्चा में आया। इस मामले की गुत्थी अभी तक पूरी तरह सुलझी नहीं है, जिस कारण स्थानीय लोगों में गुस्सा और बेचैनी बनी हुई है। मनीषा के परिवार और स्थानीय लोगों की लगातार मांग थी कि इसकी निष्पक्ष जांच सीबीआई से कराई जाए। उनका आरोप था कि स्थानीय स्तर पर जांच में खामियां हैं।

उपमुख्यमंत्री बनने के बाद कैसे कर सकते हैं एक्टिंग? पवन कल्याण के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचा मामला

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के फिल्मों में अभिनय जारी रखने के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। पूर्व आईएएस अधिकारी विजय कुमार ने रिट याचिका में पवन को मनोरंजन से संबंधित गतिविधि में भाग लेने से रोकने के लिए अंतरिम आदेश की मांग की। रिपोर्ट के अनुसार, विजय ने याचिका दायर कर पवन को फिल्मों में अभिनय, मनोरंजन कार्यक्रमों में भाग लेने, फिल्मों के निर्माण और विज्ञापनों में दिखाई देने से रोकने की मांग रखी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पवन ने अपने पद और सरकारी धन का दुरुपयोग अपनी हालिया फिल्म हरि हारा वीरा मल्लु के निर्माण में किया। हालांकि, हाई कोर्ट ने सीबीआई, एसीबी और पवन को नोटिस जारी करने की मांग को खारिज कर दिया। मामले की सुनवाई अगले सप्ताह के लिए तय हुई है। वाईएनआर के पॉडकास्ट में हाल ही में विजय कुमार ने हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर करने का कारण बताया था। उन्होंने कहा कि अभिनेता-राजनेता का यह कृत्य असंवैधानिक है। उन्होंने कहा, पवन कल्याण आज आंध्र प्रदेश सरकार के मंत्री हैं। इसका मतलब है कि वे चौबीसों घंटे ड्यूटी पर हैं। कोई भी मंत्री जो संवैधानिक रूप से शपथ लेता है, वह अपने अन्य सभी व्यवसायों को पीछे छोड़ देता है। शपथ लेने के बाद वे फिल्मों में कैसे अभिनय कर सकते हैं? पूर्व आईएएस अधिकारी ने पवन कल्याण की ओर से टिकट की कीमतें बढ़ाने की सहमति देने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, वह फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं, उनका प्रचार कर रहे हैं। निर्माताओं को लाभ सुनिश्चित करने के लिए टिकट की कीमतें बढ़ाने की इजाजत दे रहे हैं। डिप्टी सीएम ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने जानबूझकर टिकट की कीमतें बढ़ाईं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वे केवल पैसा कमाने के लिए फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं। यह हितों का टकराव है। हमने इसके खिलाफ अब हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की है।

गाजियाबाद में जीडीए का बुलडोजर ऐक्शन, 60 हजार वर्ग मीटर में बनाई जा रही अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में जीडीए ने बड़ी कार्रवाई की है। करीब 60 हजार वर्ग मीटर में बनाई जा रही अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान विरोध कर रहे लोगों को प्रवर्तन टीम ने पुलिसबल के साथ खदेड़ दिया। लोगों को अवैध रूप से कॉलोनी विकसित नहीं करने की चेतावनी भी दी गई। जीडीए ने 60 हजार वर्ग मीटर में बनाई जा रही अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान विरोध करने वालों को प्रवर्तन टीम ने पुलिसबल के साथ खदेड़ दिया। आइएमएस कॉलेज डासना के निकट दीपक यादव, संजय सिंह, राहुल यादव,साजेब और अन्य द्वारा खसरा संख्या 1127 में करीब 20 हजार वर्ग मीटर में अवैध कॉलोनी बनाई जा रही थी। मंगलवार को जीडीए प्रवर्तन जोन पांच की टीम ने इसे ध्वस्त कर दिया।

गुरुग्राम में किराए के 10 रुपये के लिए ऑटो चालक को पीट कर मार डाला

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम पुलिस ने मंगलवार को 10 रुपये के किराए को लेकर हुए विवाद में एक ऑटो चालक की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। इससे पहले भी पुलिस ने 10 अगस्त को रवि नगर इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास हुई इस घटना के सिलसिले में दो अन्य को गिरफ्तार किया था। मृत ऑटो चालक की पहचान कन्नौज (उत्तर प्रदेश) के वारापुर गांव निवासी विपिन के रूप में हुई थी।

ऑटो चालक विपिन (19) ने बयान दिया था कि आरोपियों ने 10 रुपये अधिक किराया देने से इनकार करते हुए हमला बोला था। दस अगस्त को विपिन ने घर पर कॉल करके बताया था कि रवि नगर पेट्रोल पंप के पास सवारी से किराए को लेकर उसका झगड़ा हो गया है। जब चाची व परिवार के अन्य लोग वहां पहुंचे तो आधा दर्जन से ज्यादा युवक विपिन को लाठी-डंडों से पीट रहे थे।

परिवार ने बचाने की कोशिश की तो उन युवकों ने उनके साथ भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए थे। इस मारपीट में विपिन गंभीर रूप से घायल हो गया था और निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। 16 अगस्त को उपचार के दौरान विपिन की मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने 12 अगस्त को प्रयागराज (यूपी) के चक जयंतीपुर गांव निवासी राम विशाल दूबे और मानेसर की कृष्णा कॉलोनी निवासी लक्ष्मण को गिरफ्तार किया था।

इसके बाद दो और आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी की पहचान गुरुग्राम के खेडक़ी माजरा गांव निवासी 25 वर्षीय नेत्रपाल और 20 वर्षीय पदम के रूप में हुई है। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर ऑटो चालक के साथ 10 रुपये किराए को लेकर मारपीट की थी। पुलिस ने आरोपियों नेत्रपाल व पदम से वारदात को अंजाम देने में प्रयोग किया गया एक डंडा बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता एएसआई संदीप कुमार ने बताया कि आगामी कार्रवाई के लिए आरोपी नेत्रपाल व पदम को मंगलवार को अदालत में पेश करके दो दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है ताकि ऑटो चालक के साथ मारपीट करने वाले अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा सके।

बीईएसटी क्रेडिट सोसायटी चुनाव में खाता तक नहीं खुला

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे के साथ आने के बाद मुंबई में हुए पहले चुनाव में ही ही ठाकरे ब्रदर्स को बड़ा झटका लगा है। बीईएसटी क्रेडिट सोसायटी चुनाव में शिवसेना (क्क्ष्न्न) और एमएनएस गठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा है। 21 सीटों पर हुए चुनाव में गठबंधन एक भी सीट नहीं जीत सका।

बीईएसटी वर्कर्स यूनियन (शशांक राव पैनल) को 14 सीटें मिली हैं। भाजपा समर्थित पैनल को भी सिर्फ 7 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। शिवसेना (यूबीटी) और मनसे गठबंधन खाता भी नहीं खोल सका।

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने ठाकरे बंधुओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दो शून्यों का जोड़ हमेशा शून्य ही होता है, यह एक सरल गणित है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने स्थानीय चुनाव होने का हवाला देते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। यह चुनाव खास इसलिए भी था क्योंकि उद्धव ठाकरे गुट और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे की पार्टी ने पहली बार मिलकर चुनाव लड़ा था। परिणाम में उन्हें करारी शिकस्त मिली और एक भी सीट नहीं मिली।

बीईएसटी वर्कर्स यूनियन के नेता शशांक राव ने इसे कर्मचारियों के विश्वास की जीत बताया।

एक बार फिर सय्यद जहाँगीर सुईट को नगर कांग्रेस अध्यक्ष बनाया

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

नगर कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर लंबे समय से संगठन में नए चेहरे की चर्चा होती रही, लेकिन प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ताज़ा घोषणा ने सारी अटकलों पर विराम लगा दिया है।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की स्वीकृति के बाद घोषित सूची में नहटौर से एक बार फिर सैय्यद जहाँगीर सुईट का नाम शामिल किया गया है। कांग्रेस ने यह साफ़ कर दिया है कि वह बदलाव की बजाय संगठन में निरंतरता और अनुभव पर भरोसा बनाए रखना चाहती है। काफ़ी समय से नगर कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे सय्यद जहाँगीर सुईट पहले भी कार्यकर्ताओं के बीच अपनी सक्रियता और सादगीपूर्ण छवि से मज़बूत पकड़ बना चुके हैं। यही कारण है कि पार्टी ने उन पर दोबारा भरोसा जताकर संदेश दिया है कि संगठनात्मक मज़बूती के लिए पुराने और भरोसेमंद चेहरे की भूमिका अहम है।

गौरतलब है कि सय्यद जहाँगीर सुईट न सिर्फ़ कांग्रेस संगठन में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि जमीनी मुद्दों को उठाने वाले व्यक्ति के रूप में है। स्थानीय राजनीति के जानकार मानते हैं कि इस फ़ैसले से कांग्रेस ने यह संकेत भी दिया है कि कस्बे में संगठनात्मक ढांचे को झटकों से बचाने और कार्यकर्ताओं की एकजुटता बनाए रखने के लिए नेतृत्व में स्थिरता ज़रूरी है।

वहीं कार्यकर्ताओं में इस घोषणा के बाद उत्साह की लहर है। उनका कहना है कि पार्टी ने उनकी जमीनी मेहनत को पहचाना है और भरोसे का यह नवीनीकरण आने वाले समय में कांग्रेस की स्थिति को और मज़बूत करेगा। सैय्यद जहांगीर सुईट को चौथी बार नगर अध्यक्ष बनाए जाने पर उनके समर्थकों में खुशी की लहर है तथा वह उनके आवास पर पहुंचकर उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दे रहे हैं। जहांगीर सुईट ने पार्टी के मुखिया व जिला अध्यक्ष हैनरिता राजीव सिंह का दिल से आभार व्यक्त किया और उन्होंने कहा कि पार्टी में चौथी बार मुझ पर जो भरोसा जताया हैं मैं उस पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करूंगा।

स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती पर निशुल्क मैडिकल कैंप का किया आयोजन

कांग्रेसियों ने स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती सद्भावना दिवस के रूप में मनाई

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, नजीबाबाद के ब्लॉक अध्यक्ष विश्व मोहन के आवास पर युवा भारत की संकल्पना के साथ आधुनिक भारत के निर्माता, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न, स्वर्गीय राजीव गांधी जी जन्म जयंती सद्भावना दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर नगर पंचायत सहानपुर में ब्लॉक अध्यक्ष विश्व मोहन के आवास पर एक दिवसीय निशुल्क मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम कांग्रेसियों ने स्वर्गीय राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। जिसके पश्चात निशुल्क मैडिकल कैंप का शुभारंभ किया गया। जिसमें डॉक्टर शादमान अनीस (सामान्य एवं त्वचा रोग विशेषज्ञ), फार्मासिस्ट मोहम्मद नोमान आदि द्वारा लोगों की जांच की गई।

मेडिकल कैंप में समाचार भेजे जाने तक लगभग 45 लोगों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है। युवा नेता अभिनव अग्रवाल एडवोकेट ने स्वर्गीय राजीव गांधी के जीवन काल पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राजीव गांधी युवाओं के प्रेरणास्त्रोत थे, उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया है। जांच करने आए डॉक्टर व उनकी टीम को कांग्रेसियों ने सम्मानित भी किया। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष विश्व मोहन, वरिष्ठ कांग्रेसी वसीम अख्तर, युवा नेता अभिनव अग्रवाल एडवोकेट, वकील मंसूरी, शारिब अंसारी एडवोकेट, फैज आलम एडवोकेट, अंकित, आर्य कुमार, मयंक, प्रियांशु, धर्मवीर सिंह, कैलाश, मोखां आदि रहे।

पीड़ितों को न्याय दिलाना व जनता की समस्याओं का निराकरण मुख्य उद्देश्य : नितिन कुमार

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नवागत एसडीएम नितिन कुमार ने चार्ज संभालते ही अपनी पहली प्रेस वार्ता में पत्रकारों से वार्ता कर कहा कि उनका शिकायतकर्ताओं व पीड़ितों को न्याय दिलाना ही उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी तथा जनता की समस्याओं का समय से निराकरण कराना ही उनका मुख्य उद्देश्य रहेगा।

गाजियाबाद जिले के निवासी नितिन कुमार 2020 बेच में पीसीएस अधिकारी है। बिजनौर सदर एसडीएम के पद पर तैनान रहे नवागत नगीना एसडीएम नितिन कुमार ने बुधवार को कार्यालय में आयोजित अपनी पहली प्रेस वार्ता में मीडियाकर्मियों से कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाना ही उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समय से निराकरण कराना ही उनका मुख्य उद्देश्य रहेगा तथा अंत में उन्होंने मीडिया कर्मियों से सहयोग की अपील करते हुए आपसी सामंजस्य बनाए रखने पर जोर दिया।

प्रेस वार्ता में पत्रकारों ने परिचय के उपरांत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर उनका ध्यान तहसील में हो रहे भृष्टाचार जैसे क्षेत्र में चल रहे मिट्टी के अवैध खनन, अवैध कॉलोनियां, अवैध कब्जे, अवैध तरीके से भूमि पट्टे, डग्गामार वाहन चलने के साथ तहसील में खतौनी में अंश निर्धारण सही करने आदि विभिन्न मुद्दों की ओर किया तथा दलाल प्रवृत्ति के तहसील परिसर में घूम रहे सरकारी व अर्ध सरकारी कर्मचारियों से पीड़तों को न्याय दिलाया जा सके उस ओर भी बारीकी से ध्यान देने की भी बात कहीं जिससे जनहित में तहसील को भ्रष्टाचार मुक्त कराया जा सके और आम आदमी को न्याय मिल सके।

इस पर एसडीएम ने मामलों को गंभीरता से लेकर सभी मामलों में अधिकारियों की मीटिंग कर प्रभावी कार्रवाई करने के संकेत दिये।

स्कूटी रोककर युवक को बुरी तरह पीटा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। राजनगर एक्सटेंशन के मोरटी गांव में एक व्यक्ति ने साथियों के साथ मिलकर युवक पर हमला कर दिया। घटना को अंजाम देकर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। नंदग्राम पुलिस का कहना है कि युवक के चाचा की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है। राजनगर एक्सटेंशन के मोरटी गांव में रहने वाले कपिल त्यागी का कहना है कि 16 अगश्त की रात करीब पौने नौ बजे उनका भतीजा मनीष त्यागी स्कूटी से जा रहा था। घर के पास ही सिहानी गांव निवासी गजराज और उसके अज्ञात साथियों ने उनके भतीजे को रोक लिया और बिना वजह गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने भतीजे को बुरी तरह पीटा और जान से मारने की धमकी दी। शोर-शराबा होने पर लोग इकट्ठा होने लगे तो आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। कपिल त्यागी का कहना है कि उनके भतीजे मनीष त्यागी का जिला एमएमजी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण हुआ। घटना के संबंध में नंदग्राम थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई। एसीपी नंदग्राम पूनम मिश्रा ने बताया कि शिकायत के आधार पर 19 अगश्त को एक नामजद तथा अन्य अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ आगामी कार्रवाई की जा रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण नहीं स्पष्ट, होगी बिसरा जांच

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के कस्बा निवाड़ी में हुई महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला उलझ गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। अब बिसरा को जांच के लिए फोरेंसिक लैब में भेजा गया है। बिसरा रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिला मेरठ की खुशहाल नगर कॉलोनी निवासी महिला अफसार की शादी निवाड़ी निवासी आरिफ के साथ तीन साल पहले हुई थी। सोमवार रात को महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मृतका के परिजनों ने गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए निवाड़ी थाने में पति सहित छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। सीओ मोदीनगर अमित सक्सेना ने मौत का कारण जानने के लिए बिसरा जांच के लिए लैब भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी दस्तावेज बनाकर बेच दी कार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र में रहने वाले युवक की कार जानकार ने दूसरे व्यक्ति को कार बेच दी। कार खरदीने का झांसा दे उसकी कार ली और फर्जी दश्तावेज बनाकर बेची गई। नवंबर 2024 के मामले में मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज की गई है। शालीमार गार्डन निवासी आकाश कुमार ने मारुति सियाज कार एक नीलामी से खरीदी थी। नवंबर 2024 में शहीदनगर निवासी उनके जानकार सलीम अल्वी, उसके बेटा शाहनवाज और साथी अभिषेक ने उनकी कार खरीदने की बात कही। सौदा साढ़े छह लाख रुपये में तय हुआ। आरोपी 25 हजार रुपये देकर कार ले गए। बकाया पैसे के लिए आरोपी आश्वासन देते रहे। इसी बीच जरूरत बताकर सलीम ने उनसे तीन लाख रुपये और उधार ले लिए। लंबे समय तक आरोपियों ने पैसे नहीं लौटाए। बीते दिनों पता चला कि कार के फर्जी दश्तावेज अभिषेक को मालिक दिखाते हुए बनाए और आरोपियों ने किसी और को कार बेच दी। मूल दश्तावेज पीड़ित के पास ही थे। उन्होंने पैसे मांगे तो आरोपियों ने गाली-गलौच की और जान से मारने की धमकी दी। सीओ शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह का कहना है कि केस दर्ज कर लिया गया है।

युवक से मारपीट कर धारदार हथियार से हमला

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। खोड़ा थानाक्षेत्र में कहासुनी को लेकर एक युवक पर बर्फ विक्रेता ने साथियों संग मिलकर हमला कर दिया। घटना 16 अगश्त की है, जिसमें नुकीले हथियार से हमला कर पीड़ित को लहूलुहान कर दिया गया। मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रकाश नगर निवासी जतिन शनिवार को अंबेडकर गली स्थित पुरुषोत्तम की दुकान पर बैठे थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि पास में ही बर्फ बेचने वाली दुकान से मोबिन, अकरम, आशु, आमिन, मोबिन का भाई व एक अन्य युवक उनके पास आए और दुकान से खींचकर सड़क पर गिरा दिया। सभी ने उन्हें पीटना शुरू कर दिया। आरोपियों के पास बर्फ तोड़ने वाला नुकीला हथियार था, जिससे हमला कर दिया। हाथ और सिर में हथियार मारकर उन्हें लहूलुहान कर दिया। आसपास के लोगों ने उन्हें बचाया, जिसके बाद हमलावर हत्या की धमकी देकर फरार हो गए। सीओ इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया कि दोनों पक्षों में पूर्व में कहासुनी हुई थी। इसी को लेकर मारपीट की गई है। केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

अस्पतालों को दो नए चिकित्सक मिले

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। एमएमजी और संयुक्त जिला अस्पताल को दो नए चिकित्सक मिले हैं। इनमें सहारनपुर के पूर्व नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आरसी गुप्ता को एमएमजी अस्पताल में वरिष्ठ परामर्शदाता बनाया गया है। इसी तरह रामपुर के पूर्व सीएमओ डॉ सत्यपाल सिंह को संयुक्त अस्पताल में वरिष्ठ परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया है। 62 साल की उम्र पूरी होने पर प्रशासनिक पद से हटने के बाद उनका समायोजन हुआ है। मंगलवार को शासन से तबादला आदेश जारी हुआ।

एसडीएम ने भाकियू के मंडल प्रभारी को समस्या का जल्द समाधान कराए जाने का आश्वासन दिया

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷। भारतीय किसान यूनियन संगठन एकता ने जन समस्याओं को देखते हुए नजीबाबाद, सहानपुर और जलालाबाद ओवर ब्रिज की समस्या, हरिद्वार रोड बाईपास निकट आजाद चौक इसके अलावा अन्य ग्राम संपर्क मार्गों की समस्या को देखते हुए मुरादाबाद मंडल प्रभारी फुरकान खान ने अपने संगठन भारतीय किसान यूनियन संगठन एकता के सभी पदाधिकारी के साथ एक्शन पीडब्ल्यूडी से बीडीओ नजीबाबाद और उप जिलाधिकारी तहसीलदार नजीबाबाद से मुलाकात की ओर जन समस्या ऑन को लेकर ज्ञापन सोपा।

गाड़ी की बुकिंग के 1 लाख हड़पे, 2 भाइयों पर केस

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

आरडीसी स्थित फाइनेंस कंपनी के संचालक भाइयों द्वारा गाड़ी की बुकिंग के एक लाख रुपये हड़प लिए गए। कार न मिलने पर पीड़ित ने रकम मांगी तो आरोपी धमकाने लगे। आरोपियों द्वारा दिया चेक बाउंस होने पर पीड़ित कविनगर थाने में केस दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करावल नगर पूर्वोत्तर दिल्ली निवासी शाहरूख का कहना है कि उन्होंने 20 मार्च 2025 को आरडीसी स्थित कार्तिक फाइनेंशियल सर्विसेज के हर्ष राणा को एक लाख रुपये देकर गाड़ी बुक कराई थी।

गाड़ी की डिलीवरी का टाइम 28 मार्च निर्धारित हुआ था, लेकिन इस तारीख को उन्हें गाड़ी नहीं मिली। उन्होंने हर्ष राणा को टोका तो उसने गाड़ी न मिलने की बात कहते हुए कुछ समय की मोहलत मांगी।

शाहरूख के मुताबिक इसके बाद हर्ष राणा बार-बार टाइम बदलने लगा। आरोपी के रवैये से तंग आकर उन्होंने गाड़ी की बुकिंग रद्द करा दी। इसके बाद हर्ष राणा ने दस दिन में एक लाख रुपये देने की बात कही, लेकिन दो महीने से ज्यादा बीतने पर भी उनकी रकम नहीं मिली।

शाहरूख के मुताबिक उन्होंने छह हजार रुपये नगद दिए थे, जबकि 96 हजार रुपये हर्ष राणा ने हैवी राणा के खाते में फोनपे से ट्रांसफर कराए थे। पीड़ित का आरोप है कि वह जब भी वह रूपयों के लिए फोन करते हैं तो आरोपी गाली-गलौज करता है और धमकी देता है।

पुलिस में शिकायत की बात कहने पर आरोपियों ने चार अप्रैल 2025 को उन्हें साढ़े 93 हजार रूपये का चेक दिया। यह चेक 21 मई की तारीख का था, जो बैंक में बाउंस हो गया। विरोध जताने पर हर्ष राणा और उसके भाई हैवी राणा ने फिर से धमकाना शुरू कर दिया।

आरोपियों की कॉल रिकॉर्डिंग के साथ पीड़ित ने पुलिस आयुक्त कार्यालय में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। सीओ कविनगर भास्कर वर्मा का कहना है कि 20 अगश्त को कविनगर थाने में आरोपी भाइयों के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

रुपए न देने पर युवती के अश्लील फोटो वायरल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र में रूपये न देने पर युवती के अश्लील फोटो वायरल करने का मामला सामने आया है। घटना के संबंध में युवती की मां ने पुलिस आयुक्त कार्यालय में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई।

पुलिस का कहना है कि केस दर्ज आरोपियों को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है। मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र के गांव में रहने वाली महिला का कहना है कि उनकी बेटी का इंस्टाग्राम पर अकाउंट है। एक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिये अज्ञात लड़की ने उनकी बेटी से संपर्क किया और मीठी-मीठी बातें करने लगी। महिला के मुताबिक आरोपी ने उनकी बेटी को बातों में उलझाकर उसके अश्लील फोटो ले लिए।

आरोप है कि इसके बाद आरोपी लड़की उनकी बेटी पर राजनगर एक्सटेंशन आकर अपने भाई से मिलाने का दबाव डालने लगी। इतना ही नहीं, उसने उनकी बेटी से 50 हजार रुपये भी मांगे और दोनों बात न मानने पर बेटी के अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी। महिला का कहना है कि उनकी बेटी से रुपये देने से मना कर दिया तो आरोपी लड़की ने उसके अश्लील फोटो उनकी बेटी के दोश्तों को भेज दिए। घटना का पता लगने पर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। महिला ने पुलिस आयुक्त कार्यालय में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एसीपी कविनगर भास्कर वर्मा का कहना है कि 20 अगश्त को मधुबन बापूधाम थाने में इंस्टाग्राम के दो अकाउंट धारकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

साहिबाबाद में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़, एक गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली से सटे साहिबाबाद के सीमा चौकी क्षेत्र में बुधवार सुबह पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान एक बदमाश घायल हो गया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया।

घायल बदमाश की पहचान अमन (28 वर्ष) के रूप में हुई, जो नंदग्राम का निवासी है। पुलिस ने उसके पास से एक चोरी की मोटरसाइकिल, एक लूटा हुआ मोबाइल, 315 बोर का तमंचा, जिंदा कारतूस और खोखा कारतूस बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, अमन साहिबाबाद में कई मोबाइल लूट की घटनाओं में शामिल रहा है। वह खास तौर पर उन लोगों को निशाना बनाता था जो सड़क पर चलते हुए मोबाइल पर बात कर रहे होते थे। जांच में पता चला कि अमन के खिलाफ 16 से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, घटना के बारे में जानकारी देते हुए सीओ साहिबाबाद श्वेता यादव ने बताया कि सुबह थाना साहिबाबाद की टीम सीटी फॉरेस्ट से नागवार जाने वाले राश्ते पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर दो संदिग्ध दिखाई दिए।

जब पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, तो उन्होंने भागने की कोशिश की। पुलिस ने पीछा किया तो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें अमन के पैर में गोली लगी। उसका साथी भागने में सफल रहा। सीओ का कहना है कि घायल अमन को प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीमा चौकी इंचार्ज आशीष जादौन के नेतृत्व में पुलिस ने यह कार्रवाई की।

इसके अलावा, उच्च अधिकारियों का कहना है कि अमन की गिरफ्तारी से साहिबाबाद में मोबाइल लूट की घटनाओं पर अंकुश लगेगा। पुलिस फरार बदमाश की तलाश में छापेमारी कर रही है और मामले की आगे की जांच जारी है। साथ ही, अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है।

पत्नी की हत्या करने वाले की तलाश में 3 टीम जुटीं

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मोदीनगर के गांव गदाना में महिला की हत्या के मुख्य आरोपी की तलाश के लिए पुलिस की तीन टीम दबिश दे रही हैं।

पुलिस ने इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया है। गांव गदाना में सोमवार रात विवाद के बाद पंकज ने चाकू से गला रेतकर 26 वर्षीय पत्नी स्वाति की हत्या कर दी थी। मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पति सहित छह के खिलाफ केस दर्ज किया है। हत्या से पहले एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। इसमें घर के पास खाली प्लॉट में पति-पत्नी के बीच विवाद होता दिख रहा है। स्वाति पंकज को धक्का दे रही है, जबकि पकंज उसके साथ हाथापाई कर रहा है।

आरोप है कि पंकज पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था। इसी बात को लेकर विवाद होता था। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्वाति के शरीर पर चार निशान मिले हैं। गला कटा हुआ है। गर्दन और कंधे के पास भी चाकू के निशान मिले हैं। तीन टीम मुख्य आरोपी की तलाश में मेरठ, बागपत और हरिद्वार में दबिश दे रही हैं।

सूत्रों के अनुसार, 24 घंटे से आरोपी को मोबाइल स्विच है। एसीपी अमित सक्सेना का कहना है कि आरोपी की तलाश में पुलिस की कई टीम दबिश दे रही हैं। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मुख्य आरोपी के गिरफ्तार होने के बाद ही हत्या क्यों की गई, इसका पता चल सकेगा।

माल लेकर नहीं किया 70 हजार का भुगतान, FIR

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

पुनीत मोहन गर्ग का कहना है कि नगर कोतवाली क्षेत्र के बजरिया में मैसर्स मोहन सोप मिल्स नाम से फर्म है, जो साबुन, डिटर्जेंट पाउडर और डिटर्जेंट केक की निर्माता और वितरक है। 29 मई को श्रद्धा इंटरप्राइजेज वीरभद्र मार्ग ऋषिकेश उत्तराखंड की प्रोपराइटर श्रद्धा माहेश्वरी प्रोपराइटर द्वारा उनकी फर्म को 1.13 लाख रुपये के वाशिंग सोप डिटर्जेंट केस का ऑर्डर दिया था।

पुनीत मोहन गर्ग के मुताबिक उनकी फर्म द्वारा श्रद्धा माहेश्वरी को इस शर्त पर माल दिया गया था कि या तो वह माल का समय पर भुगतान करेंगी या माल वापस करेंगीं, लेकिन उन्होंने सिर्फ 44 हजार का माल वापस किया, जबकि शेष करीब 70 हजार रुपये रोक लिए गए। आरोप है कि कई बार फोन करके रकम देने या माल लौटाने के लिए कहा गया, लेकिन श्रद्धा माहेश्वरी द्वारा लगातार टालमटोल की गई। थक-हारकर पुनीत मोहन गर्ग ने नगर कोतवाली में शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि 19 अगश्त को श्रद्धा माहेश्वरी के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

किराये पर लिया फ्लैट फर्जी दस्तावेज बनाकर बेचा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

टीला मोड़ थाना क्षेत्र में किराये पर रहने वाले व्यक्ति ने फ्लैट को फर्जी दश्तावेज बनाकर दो बार बेच दिया। दोनों बार बैंकों ने लोन स्वीकृत कर दिया, जबकि फ्लैट पर पहले से ही एक लोन चल रहा था।

लोन का नोटिस आने पर मालिक को पता चला, जिसके बाद रिपोर्ट दर्ज कराई गई। टीला शाहबाजपुर निवासी तेजवीर ने वर्ष 2019 में इंद्रप्रस्थ आवासीय कॉलोनी में फ्लैट खरीदा था।

इसके लिए 25.60 लाख का लोन भी लिया था। बैंक के पास अभी भी मूल दश्तावेज हैं, क्योंकि लोन चल रहा है और वह नियमित रूप से किश्तें चुका रहे हैं।

26 जून को एक वित्त कंपनी से विजय ने फोन कर बताया कि फ्लैट पर 70 लाख से अधिक का लोन बकाया है। कॉल करने वाले ने दश्तावेज भी भेजे। इनकी जांच कराई तो पता चला कि उनके फ्लैट की दो बार फर्जी रजिस्ट्री हो चुकी है। हर बार अलग-अलग लोन स्वीकृत हुए हैं। आरोप है कि उनके फ्लैट में किराये पर रह रहे नीरज कुमार ने अपने साथियों संग मिलकर लोन की रकम हड़पने और फ्लैट पर कब्जे के लिए फर्जीवाड़ा किया है। पहली रजिस्ट्री तीन साल पूर्व उमा भारती को मालिक दिखाते हुए ज्ञानेंद्र के नाम कराई और दूसरी नवंबर 2023 में डिफेंस कॉलोनी निवासी राजू के नाम पर की गई। इनमें मोहम्मद आफाक आलम और दिलदार गवाह बने हैं। कंपनी ने दी फ्लैट कुर्क करने की धमकी पीड़ित ने इस बारे में लोन देने वाली कंपनी को साक्ष्य के साथ रिपोर्ट भेजी, लेकिन कंपनी अभी भी उनके फ्लैट को कुर्क करने की धमकी दे रही है। ऐसे में पीड़ित ने पुलिस आयुक्त कार्यालय में गुहार लगाई।

सीओ शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि जांच कर सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

थैलेसीमिया नामक बीमारी से जिले को मुक्त कराने हेतु डीएम को ज्ञापन

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

थैलेसीमिया मुक्त बिजनौर अभियान के अंतर्गत एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी जसजीत कौर से मुलाकात की और अपने साथ थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को ले जाकर उनका दर्द बयां किया। परिजनों ने डीएम को बताया कि अपने बच्चों को जीवित रखने के लिए उन्हें सामान्यतः किन किन परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

इस दौरान डीएम को दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि थैलेसीमिया एक ऐसी गंभीर बीमारी है जिससे पीड़ित मरीज को जीवित रहने के लिए प्रतिमाह 1 से 2 यूनिट रक्त चढ़ाया जाता है तथा कई ऐसी दवाईयो की भी आवश्यक होती है जो रक्त सीमा को बढ़ाती है। दुर्भाग्य है कि बिजनौर जनपद में ना तो ये दवाईयाँ उपलब्ध हैं और ना ही मरीज को चढ़ाये जाने वाले रक्त के लिए लिको फिल्टर ही उपलब्ध है।

जनपद में अधिकांश निजी ब्लड बैंक से थैलेसीमिया मरीजों को नियमानुसार निःशुल्क रक्त उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। जनपद में थैलेसीमिया के 150 से अधिक मरीज़ हैं, जिन्हें रक्त व दवाई आदि के लिए बाहरी जनपदों में जाना पड़ता है।

अन्य राज्यों व उत्तर प्रदेश के ही कई जनपदों में ये दवाईयाँ सरकार की ओर से निःशुल्क उपलब्ध है तथा अन्य सुविधाएँ भी हैं। प्रतिनिधि मंडल ने डीएम से मांग की गई कि जिला अस्पताल में थैलेसीमिया मरीजों के लिए अलग वार्ड की स्थापना कराई जाए। जिला अस्पताल में थैलेसीमिया मरीजों के लिए लिको फिल्टर की व्यवस्था की जाए।

जिला अस्पताल में थैलेसीमिया मरीजों के लिए निःशुल्क दवाईयाँ उपलब्ध कराई जाए। थैलेसीमिया मरीजों को 100 प्रतिशतता वाले दिव्यांग कार्ड जारी किये जाए। निजी ब्लड बैंक पर थैलेसीमिया मरीजों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाए। जिला अस्पताल में भर्ती थैलेसीमिया मरीजों को वहाँ उस ग्रुप का रक्त उपलब्ध नहीं होने पर बाहर से लाये गये रक्त को चढ़ाने की अनुमति दी जाए। डीएम से मिलने वालों में वरिष्ठ पत्रकार अवनीश गौड़, हिंदू ब्लड बैंक सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक राहुल राजपूत, अतुल पाल परितोष चंदेल, आशु, ब्रह्मपाल सिंह,यस, वंदना, आदि शामिल रहे।

संसार भगवान का एक सुन्दर बगीचा हैं: सुदर्शन महाराज

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

ग्राम ढकौली में देव स्थल पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा

व्यास राजकुमार सुदर्शन महाराज ने कहा कि यह संसार भगवान का एक सुंदर बगीचा है।

यहां चौरासी लाख योनियों के रूप में विभिन्न प्रकार के फूल खिले हुए हैं। जब कोई अपने गलत कर्मों से इस संसार रूपी भगवान के बगीचे को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है तो भगवान इस धरती पर अवतार लेकर दुर्जनों का संहार तथा सज्जनों का उद्धार करने के लिए आते हैं।

उन्होंने भगवान के चौबीस अवतारों तथा समुद्र मंथन की कथा बहुत ही रोचक एवं सारगर्भित तरीके से सुनाई। कथा के विश्राम पर आरती की गई। सुशील कुमार, जोगराज सिंह, जय सिंह, क्षत्रपाल सिंह, मनोज कुमार, प्रमोद शर्मा, भूदेव कुमार, लालू शर्मा, दयाराम सिंह आदि उपस्थित रहे।

आवारा कुत्तो ने एक महिला सहित दो बच्चो को किया लहू-लुहान

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

दो बच्चों तथा एक महिला पर कुत्ते ने हमलाकर उन्हें घायल कर दिया। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया।

गांव चौहरा निवासी प्रियंका (25) पत्नी ओमवीर अपने दो वर्षीय पुत्र धीरज को साथ लेकर पडोस के गांव तरकौला किसी रिश्तेदारी में जा रही थी। गांव चौहरा के बाहरी छोर पर धीरज पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। प्रियंका ने उसे बचाया तो कुत्ते ने उसे भी बुरी तरह घायल कर दिया।

उनकी चीख पुकार सुन मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उन्हें कुत्ते से बचाया। बताया जाता है कि कुछ ही देर पहले उक्त कुत्ते ने तरकौला निवासी गंभीर के सात वर्षीय पुत्र प्रेम पर हमला कर घायल कर दिया था। सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रैफर कर दिया।

कुत्ते के हमलावर होने से ग्रामीणों में दहशत है। उन्होंने कुत्ते को पकड़वाकर कहीं सुरक्षित स्थान पर छुडवाने की मांग की है।

महिला ग्राम प्रधान की फांसी पर लटक कर मौत

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के थाना स्योहारा क्षेत्र के ग्राम मेवा नवादा में एक दुखद घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। ग्राम पंचायत की महिला प्रधान का शव उनके घर में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया और गांव में गम का माहौल बन गया है।

सूचना मिलते ही स्योहारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण शुरू कर दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। प्रारंभिक जांच में अभी तक मौत के सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस आत्महत्या के साथ-साथ अन्य संभावित कारणों की भी पड़ताल कर रही है।

यह घटना ग्राम मेवा नवादा की ग्राम पंचायत से जुड़ी है, और स्थानीय लोग सदमे में हैं। परिवार वालों और आसपास के लोगों से पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है ताकि घटना के पीछे की वजहों का पता लगाया जा सके।

क्षेत्र में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जांच पूरी होने तक धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

गौरतलब है कि महिला प्रधान की मौत की खबर के बाद स्थानीय राजनीति में पुरूष वर्चस्व को लेकर अटकले लगाई जा रही है।

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर रेलवे नई दिल्ली – 110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदो के लिए ई – निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र.सं.	निविदा सं.	संछिप्त विवरण	मात्रा	अन्तिम तिथि
1.	82255048	सप्लाई लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन	340008.00 cum	04.09.2025

निविदा शर्तें : 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। टेंडर नोटिस सं. इंजेक्शन और दवाएं दिनांक: 14.08.2025 2536/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

इ–निविदा (इ–प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्लिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे इ–निविदा आमंत्रण।

कार्य का नाम	सीनियर डीईएन-III, डीएलआई के अधिकार क्षेत्र में द्वितीय यमुना ब्रिज - साहिबाबाद खंड पर ब्रिज नंबर 25 यूपी जीएएल और 25 डीएन जीएएल के गर्डर को पीएससी स्लैब से बदलना।
कार्य की अनुमानित लागत	₹1,73,28,362.05 (रूपये एक करोड़ तिहत्तर लाख अट्ठाईस हजार तीन सौ बासठ और पांच पैसे मात्र)
बयाना राशि	₹2,36,700.00 (रुपये दो लाख छत्तीस हजार सात सौ मात्र)
निविदा प्रपत्र का मूल्य	₹0.00/-
निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	12.09.2025 को 15:00 तक
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।
आवंटन	29324103

•ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे **ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS)** साइट यानी **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। •सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। •मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। •निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं.: 128-W/280/इ–निविदा सूचना/27-2025-26/W-3 दिनांक: 20.08.2025

2538/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

वोट चोरी : तू इधर उधर की बात न कर

भारत में इन दिनों 'वोट चोरी' का मुद्दा आम लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में होने वाले चुनावों की हालाँकि पूरे विश्व में सराहना की जाती है परन्तु यह भी सही है कि इन चुनावों की पारदर्शिता को लेकर भी दशकों से सवाल उठते रहे हैं।

आज यदि ई वी एम से होने वाले मतदान पर भी सवाल उठाया जाता है तो बैलेट पेपर और मत पेटी के दौर में बूथ कैप्चरिंग व वोट गिनती में धांधली के आरोप भी लगते रहे हैं। परन्तु पिछले दिनों इस सम्बन्ध में उठा विवाद कुछ ज़्यादा ही तूल पकड़ गया है।

इस विवाद में एक तरफ़ भारतीय जनता पार्टी व चुनाव आयोग है तो दूसरी तरफ़ कांग्रेस के नेतृत्व में इण्डिया गठबंधन के सभी दल। यह विवाद दरअसल 2024 के लोकसभा चुनाव व कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद उस समय शुरू हुआ, जब कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग पर मतदाता सूची में गड़बड़ियों और वोटर फ़्रॉड के गंभीर आरोप लगाए।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित अनेक विपक्षी नेताओं ने दावा किया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी कर चुनावों में बेईमानी की गयी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार जैसे राज्यों में बड़ी संख्या में फ़र्ज़ी मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं और डुप्लिकेट वोटर की प्रविष्टियां बनाई गई हैं। कि कई जगह तो मतदाताओं के नाम सूची से भी हटा दिए गए हैं।

इस संबंध में राहुल गाँधी ने चुनाव आयोग द्वारा ही उपलब्ध कराये गये वोटर लिस्ट के विशाल भंडार के शोध के आधार पर ही विशेष रूप से कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने अपनी पड़ताल में पाया कि अकेले महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में ही डुप्लिकेट प्रविष्टियों और फ़र्ज़ी पतों के द्वारा 1, 00, 250 वोट 'चुराए गए।' विपक्ष के मुताबिक़ इस तरह की गड़बड़ियों के कारण ही कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को 2024 के चुनाव में पराजय हुई।

विशेष रूप से उन सीटों पर जहां हार का अंतर 50, 000 वोटों से कम था। राहुल गांधी ने तो यहाँ तक दावा किया कि इसी 'वोटर फ्रॉड' की वजह से ही कांग्रेस को लगभग 70 लोकसभा सीटों का नुकसान हुआ। इसी बीच बिहार में निकट भविष्य में होने वाले विधानसभा चुनावों से पूर्व चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम शुरू कर दिया।

इस प्रक्रिया में बिहार की मतदाता सूची से लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए, जिसे विपक्ष ने 'वोट चोरी' का हिस्सा बताया। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए चुनाव आयोग को इन हटाए गए नामों का विवरण और कारण सार्वजनिक करने का निर्देश दिया। उसके बाद ही चुनाव आयोग ने इन्हें सार्वजनिक किया।

एक तरफ़ तो विपक्ष अर्थात इण्डिया गठबंधन, इस पूरे प्रकरण को लेकर चुनाव आयोग की बीजेपी के साथ मिलीभगत का आरोप लगा रहा है जबकि बीजेपी व चुनाव आयोग इसे विपक्ष की बौखलाहट और अनर्गल आरोप क़रार दे रहे हैं। पहले भी चुनाव आयोग विपक्ष के इस तरह के आरोपों को बार-बार ख़ारिज करता रहा है।

परन्तु कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक ने इस मुद्दे को जनता तक ले जाने के लिए 'वोट चोरी से आज़ादी' अभियान शुरू किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गत 17 अगस्त, 2025 को चुनावी राज्य बिहार के सासाराम से अपनी 16 दिवसीय 'मतदाता अधिकार यात्रा' शुरू की। 1, 300 किलोमीटर की यह यात्रा 1 सितंबर को पटना में एक विशाल रैली के साथ समाप्त होगी, जिसमें विभिन्न भारतीय राजनीतिक दलों के नेता शामिल होंगे। दूसरी तरफ़ ठीक उसी दिन व उसी समय यानी 17 अगस्त 2025 को ही चुनाव आयोग ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कहा कि मतदाता सूची की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के तहत है।

आयोग ने यह भी कहा कि राजनीतिक दलों को मतदाता सूची की जांच के लिए समय दिया जाता है, लेकिन विपक्ष ने समय पर आपत्तियां दर्ज नहीं कीं। आयोग ने राहुल गांधी से उनके आरोपों के समर्थन में शपथ पत्र मांगते हुए कहा कि यदि उन्होंने एक सप्ताह में अपनी आपत्तियों से सम्बंधित हलफ़नामा नहीं दिया तो उन्हें देश से मुआफ़ी मांगनी पड़ेगी। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में सी सी टी वी फ़ुटेज को लेकर भी चुनाव आयोग ने कई ऐसी बातें कीं जिसे पक्षपातपूर्ण व अतार्किक माना जा रहा है।

बहरहाल, विपक्ष व चुनाव आयोग के बीच भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में पहली बार इस क़द्र तल्ख़ी पैदा हुई है। चुनाव आयोग की मनमानी को बेनक़ाब करने के लिये कांग्रेस ने http://votechori.in के नाम से एक वेब पोर्टल लॉन्च किया है, जहां लोग 'वोट चोरी' के विरुद्ध अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं और डिजिटल मतदाता सूची की मांग का समर्थन कर सकते हैं। साथ ही कांग्रेस ने टोल फ़्री नंबर 9650003420 भी मिस्ड कॉल के लिये जारी किया है।

इसपर जनता उन्हें अपना समर्थन व वोट सम्बन्धी अपनी शिकायत दे सकती है। विपक्ष ने इस मुहिम को 'वोट चोरी से आज़ादी' अभियान का नाम दिया है। इसमें कोई शक नहीं कि अब 'वोट चोरी' के मुद्दे ने देश की राजनीति में उबाल पैदा कर दिया है। पूरा देश इसे एक गंभीर और संवेदनशील मुद्दे के रूप में देख रहा है।

क्योंकि चुनाव आयोग व भाजपा की जुगलबंदी ने भारत जैसे विशाल लोकतंत्र की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल खड़ा कर दिया है। विपक्ष तो सीधे तौर पर इसे लोकतंत्र पर हमला बता रहा है। देश के मतदाता इस समय चुनाव आयोग के पक्षपातपूर्ण रवैये से परेशान होकर यही कहते दिखाई दे रहे हैं कि - तू इधर उधर की बात न कर। ये बता कि क़ाफ़िला क्यों लुटा? मुझे रहज़नों से ग़रज़ नहीं। तेरी रहबरी का सवाल है?

अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

ललित गर्ग

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल संख्याओं और मतों का खेल नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवंत प्रक्रिया है जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है।

लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतूके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है।

यह अच्छा हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी सहित ऐसे ही बेहूदा, आधारहीन एवं गुमराह करने वाले राहुल गांधी के आरोपों का न केवल बिन्दुबार जबाव दिया, बल्कि उन्हें बेनकाब करते हुए यह भी कहा कि वे या तो अपने निराधार आरोपों के सन्दर्भ में शपथ पत्र दें या सात दिनों के भीतर देश से माफी मांगें। निश्चित ही राहुल गांधी को ऐसी चेतावनी देना आवश्यक हो गया था, क्योंकि वे अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को धुंधलाने की सारी हदें पार चुके हैं।

हाल के दिनों में जिस तरह चुनाव आयोग, मतदाता सूची और वोट चोरी के आरोपों को लेकर बहस छिड़ी है, उसने इस प्रश्न को फिर से गहराई से सोचने को बाध्य किया है कि क्या लोकतंत्र में विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगाते हुए अपनी भूमिका को प्रश्नों के घेरे में कब तक डालता रहेगा? विपक्ष बिना ठोस प्रमाण के बड़े आरोप लगाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर देता है। क्या जनहित के नाम पर जनता के व्यापक हित से जुड़े सुधारों का विरोध करना विपक्ष का शगल बन गया है? पिछले एक दशक से विपक्ष लोकतंत्र को सशक्त बनाने की अपनी भूमिका की बजाय उसे कमजोर एवं जर्जर करने में जुटा है। उसने सत्ता-पक्ष को घेरने के लिये जरूरी मुद्दों को सकारात्मक तरीकों से उठाने की बजाय विध्वंसात्मक तरीकों से विकास के जनहितकारी मुद्दों को भी विवाद का मुद्दा बनाते हुए सारी हदें पार कर दी है। आधार को बैंक अकाउंट से जोड़ने का मामला हो या अनुच्छेद 370 को खत्म करना हो। सीएए-एनआरसी का मामला हो या हाल में चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण अभियान हो।

विपक्ष मोदी सरकार के इन विकासमूलक सुधारों को जनहित के खिलाफ बताते हुए मुखर विरोध कर रहा हैं, जो लोकतंत्र को धुंधलाने की एक बड़ी साजिश प्रतीत होती है। निश्चित ही विपक्ष की इस खींचतान में सबसे बड़ी क्षति जनता की आस्था की होती है। जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता संदिग्ध बनाई जाती है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। लोकतंत्र में हार-जीत से भी बड़ा मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता होता है।

विपक्ष केवल सत्ता की आलोचना करने के लिए नहीं है। उसका दायित्व है कि वह जनता की समस्याओं जैसे बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी की अतिश्योक्तिपूर्ण वसूली, पर्यावरण, सफाई, नारी की असुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों को उजागर करे, ठोस विकल्प प्रश्तुत करे और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती में योगदान दे। केवल आरोप-प्रत्यारोप में उलझकर यदि विपक्ष अपनी ऊर्जा खर्च कर देता है तो वह जनता का विश्वास खो देता है। यही कारण है कि आज विपक्ष की स्थिति कमजोर मानी जा रही है, क्योंकि वह केवल आरोप लगाता हुआ दिखता है, समाधान प्रश्तुत करने में पिछड़ जाता है। सत्ता पक्ष को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं चलता, बल्कि सहमति और

पारदर्शिता से भी चलता है। यदि विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है तो सत्ता पक्ष का कर्तव्य है कि वह धैर्यपूर्वक उत्तर दे, जाँच के राश्ते खोले और हर आरोप को तथ्यों से परखे। विपक्ष को नकार देना लोकतंत्र को कमजोर करना है। जब सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ता है, तब न्यायपालिका अंतिम सहारा बनती है। यही कारण है कि आज बार-बार सुप्रीम कोर्ट से हश्तक्षेप की माँग उठती है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि इसका अर्थ है कि जनता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग व अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं कर पा रहे। इसलिए न्यायपालिका की भूमिका भी अब केवल विवाद सुलझाने की नहीं रह गई है, बल्कि लोकतंत्र के विश्वास को पुनः स्थापित करने की हो गई है, जबकि यह कार्य राजनीतिक दलों एवं चुनी हुई सरकारों का होता है।

लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं। विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता-पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ से ही विपक्ष को महत्व दिया है, उन्होंने संवेदनशील सरकार के साथ सृजनात्मक नेतृत्व का परिचय दिया है लेकिन विपक्ष जब आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से घिरा हो तो सकारात्मक दिशाएं कैसे उद्घाटित हो सकती है? आज की राजनीति में लोकतंत्र और विपक्ष के बीच खींचतान तेज़ है। यह टकराव लोकतंत्र को कमजोर करने वाला नहीं बल्कि उसे और परिपक्व बनाने वाला होना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका निभाए और सत्ता पक्ष उसकी आलोचना को स्वीकार कर उत्तरदायित्वपूर्ण जवाब दे। तभी लोकतंत्र की असली शक्ति और जनता के विश्वास को बनाए रखा जा सकता है।

लोकतंत्र की शक्ति केवल सरकार में नहीं बल्कि एक सशक्त और रचनात्मक विपक्ष में भी निहित होती है। विपक्ष लोकतांत्रिक ढांचे का आवश्यक श्तंभ है, जो सत्ता पर निगरानी रखता है, नीतियों में कमियों को उजागर करता है और जनता की आवाज़ को सदन तक पहुँचाता है। लेकिन जब विपक्ष अपनी इस जिम्मेदारी को भूलकर केवल नकारात्मक राजनीति पर उतर आए, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है और देश की छवि तथा स्थिरता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाता है। आज भारत का विपक्ष जिस तरह संसद को ठप करने, व्यक्तिगत हमलों, दुष्प्रचार और असंवेदनशील आचरण पर आमादा है, उसने लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। संसद सत्र, जहाँ जनता की समस्याओं का समाधान खोजा जाना चाहिए, वहाँ विपक्ष का रवैया अवरोध पैदा करने वाला अधिक दिखता है। महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा के बजाय नारेबाज़ी और वॉकआउट आम बात हो गई है। यह स्थिति केवल सरकार ही नहीं, पूरे राष्ट्र के लिए घातक है। इतिहास गवाह है कि जब-जब विपक्ष ने रचनात्मक भूमिका निभाई है तो लोकतंत्र और मजबूत हुआ है। 1977 में आपातकाल के विरोध से लेकर 1989 तक विपक्ष ने लोकतंत्र को बचाने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया। लेकिन 2014 के बाद से जिस तरह विपक्ष अपरिपक्व, निरंतर बिखरा हुआ, नेतृत्वविहीन और नकारात्मक एजेंडे पर केंद्रित रहा है, उसने लोकतांत्रिक संस्कृति को आघात पहुँचाया है।

विदेशी ताकतें हमेशा से भारत की आंतरिक कमजोरी का फायदा उठाने की फिराक में रहती हैं। जब विपक्ष सरकार की नीतियों का विरोध करने के नाम पर राष्ट्र-विरोध, राष्ट्रीय सुरक्षा, सेना की कार्रवाई या विदेश नीति तक पर सवाल उठाने लगता है, तो इसका सीधा लाभ पाकिश्तान और चीन जैसे देशों को मिलता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को धूमिल करना विपक्ष का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से हालात यही इशारा कर रहे हैं। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मतभेद को 'विघटन' में बदल देना खतरनाक है। विपक्ष को याद रखना होगा कि उसकी जिम्मेदारी केवल सत्ता पाने की नहीं, बल्कि देश की स्थिरता और विकास को सही दिशा देने की भी है।

अगर विपक्ष अपने दायित्वों को नकारात्मक राजनीति में खोता रहा तो यह न केवल उसके लिए बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए आत्मघाती सिद्ध होगा। आज समय की मांग है कि विपक्ष आत्ममंथन करे, अपनी नीतियों और रणनीतियों को परखे तथा केवल विरोध के लिए विरोध करने की बजाय वैकल्पिक दृष्टि और ठोस समाधान प्रश्तुत करे। यही सच्चे लोकतंत्र का तकाज़ा है और यही राष्ट्रहित का मार्ग।

भयावह संकट खड़ा कर चुका है केन्द्रीय चुनाव आयोग

अनिल जैन

राहुल ने अपने आरोपों के साथ सबूत के तौर पर महज एक विधानसभा क्षेत्र से संबंधित हजारों पन्नों के दश्तावेज भी पेश किए थे, जिनका विश्लेषण करने में उनकी टीम को छह महीने का समय लगा था, लेकिन अनुराग ठाकुर ने महज 7 दिन में ही पांच लोकसभा और एक विधानसभा क्षेत्र के बारे में बता दिया कि वहां की मतदाता सूचियों में लाखों लोग फर्जी और संदिग्ध हैं।

पिछले सात-आठ सालों के दौरान वैसे तो देश की सभी संवैधानिक संस्थाओं की साख और विश्वसनीयता पर बट्टा लग चुका है, लेकिन चुनाव आयोग की साख तो सिरे से ही चौपट हो गई है।

हैरानी की बात यह है कि अपने काम-काज और फैसलों पर लगातार उठते सवालों के बावजूद चुनाव आयोग ऐसा कुछ करता हुआ नहीं दिखता, जिससे लगे कि वह अपनी मटियामेट हो चुकी साख को लेकर जरा भी चिंतित है। उसकी कार्यशैली पर उठने वाले सवालों पर जिस तरह सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी के नेता उसका बचाव करते हैं, उसे देखते हुए कोई उसे 'चुनाव मंत्रालय' कहता है, तो कोई सत्ताधारी पार्टी के गठबंधन का सदस्य।

सोशल मीडिया में तो उसे 'केंचुआ' तक कहा जाने लगा है। हकीकत यह है कि जो भी नया मुख्य चुनाव आयुक्त आता है, वह अपने पूर्ववर्ती की तुलना में खुद को सरकार का बड़ा खिदमतगार साबित करने में जुट जाता है और ऐसा करने में वह सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को भी नजरअंदाज करने में कोई संकोच नहीं करता है। चूंकि चुनाव आयोग अपने मान-अपमान की चिंता से मुक्त है और उसके पास अपनी कारगुजारियों के पक्ष में तार्किक दलीलें भी नहीं होतीं, लिहाजा वह अपनी आलोचना का जवाब देने के लिए सामने आने से अमूमन बचता है।

अलबत्ता उसकी ओर से खुद प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी के नेता जरूर जवाब देते हैं। वे चुनाव आयोग को नेकचलनी का प्रमाणपत्र देते हुए कहते हैं कि विपक्षी दल चुनाव आयोग का अपमान कर रहे हैं।

इस समय भी यही हो रहा है। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता के सवाल पर चुनाव आयोग और विपक्षी दलों के बीच जंग छिड़ी हुई है। उनकी इस जंग का अभी तक का चरम बीते रविवार को दिखा, जब बिहार में विपक्षी दलों के महागठबंधन ने चुनाव आयोग को निशाने पर रखते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' शुरू की और दूसरी ओर नई दिल्ली में वह चुनाव आयोग भी प्रेस कांफ्रेंस के जरिये मैदान में आ गया, जिसकी ओर से अभी तक सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं ने मोर्चा संभाल रखा था; या जो अपनी बात को किन्हीं सूत्रों के हवाले से मीडिया में प्रचारित करवा रहा था।

विपक्षी दलों का आरोप है कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार के इशारे पर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में काम कर रहा है। इस सिलसिले में बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अचानक शुरू किया गया मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तो मुद्दा है ही, इसी के साथ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा पिछले दिनों एक प्रेस कांफ्रेंस में पेश किए गए कई सबूत भी हैं।

जो चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। राहुल गांधी ने इसमें बताया था कि बेंगलूर सेंट्रल लोकसभा सीट के तहत आने वाले महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख दो सौ पचास फर्जी मतदाताओं के जरिये किस तरह चुनाव को भाजपा के पक्ष में प्रभावित किया गया था।

राहुल गांधी ने यह आरोप 7 अगशत को लगाए थे। उसके ठीक एक हफ्ते बाद 14 अगशत को भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी एक प्रेस कांफ्रेंस के जरिये हूबहू वैसे ही आरोप राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव, डिंपल यादव, तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर लगाए। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने अपने-अपने चुनाव क्षेत्र में लाखों की संख्या में फर्जी और संदिग्ध वोटरों के नाम मतदाता सूची में शामिल करवा कर चुनाव जीता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिन संदिग्ध लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराए गए वे ज्यादातर विदेशी घुसपैठिये हैं।

राहुल ने अपने आरोपों के साथ सबूत के तौर पर महज एक विधानसभा क्षेत्र से संबंधित हजारों पन्नों के दश्तावेज भी पेश किए थे, जिनका विश्लेषण करने में उनकी टीम को छह महीने का समय लगा था, लेकिन अनुराग ठाकुर ने महज 7 दिन में ही पांच लोकसभा और एक विधानसभा क्षेत्र के बारे में बता दिया कि वहां की मतदाता सूचियों में लाखों लोग फर्जी और संदिग्ध हैं। हालांकि अपने आरोपों के समर्थन में उन्होंने कोई दश्तावेजी सबूत पेश नहीं किए। फिर भी उनके आरोपों से राहुल के इस आरोप की ही पुष्टि हुई कि चुनाव प्रक्रिया में और चुनाव आयोग के कामकाज में भारी गड़बड़ है।

बहरहाल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मीडिया के सामने जब पेश हुए तो लगा था कि वे इन सारे आरोपों पर कोई संतोषजनक सफाई पेश करेंगे, जिससे आयोग की साख पर मंडरा रहे संदेह के बादल छंटेंगे, परन्तु मुख्य चुनाव आयुक्त पेश हुए पूरी तरह से एक राजनेता की तरह।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की तरह धमकी भरे अंदाज में कहा, 'राहुल गांधी झूठे आरोप लगाकर सौ करोड़ मतदाताओं का अपमान कर रहे हैं। उन्हें सात दिन के अंदर अपने आरोपों के समर्थन में आयोग के समक्ष हलफनामा देना होगा अन्यथा, देश से माफी मांगना होगी। इसके अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं है।'

सवाल यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने राहुल गांधी को हलफनामा देने या माफी मांगने के लिए तो कह दिया लेकिन यही बात उन्होंने अनुराग ठाकुर के लिए क्यों नहीं कही? कहीं ऐसा तो नहीं कि अनुराग ठाकुर से चुनाव आयोग खुद माफी मांगेगा?

राहुल ने मतदाता सूचियों में व्यापक पैमाने पर गड़बड़ी और हेरा-फेरी के जो आरोप लगाए हैं, वैसे ही आरोप कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी लगा चुके हैं। उनका भी कहना रहा है कि उनके लोकसभा क्षेत्र में करीब तीन लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से गायब कर दिए गए हैं।

ऐसा ही आरोप मध्य प्रदेश के रीवा से भारतीय जनता पार्टी के सांसद जनार्दन मिश्रा ने भी हाल ही में लगाया है। यानी राहुल के आरोप से औपचारिक तौर पर भाजपा भले ही सहमत न हो लेकिन उसके सांसद तो सहमत हैं ही और वे भी चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं।

राहुल गांधी ने मांग की है कि मतदान केन्द्रों की वीडियो रिकॉर्डिंग सार्वजनिक की जाए ताकि यह साफ हो सके कि पिछले कुछ चुनावों में शाम पांच बजे के बाद मतदान प्रतिशत में अचानक 7 से 8 फीसदी की बढ़ोतरी कैसे हुई।

इस पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने जो दलील पेश की है वह बेहद फूहड़ और शर्मनाक है। उन्होंने बड़े मासूम अंदाज में कहा कि 'क्या हमें अपनी मां-बहनों और बहू-बेटियों के सीसीटीवी फु टेज सार्वजनिक करने चाहिए?' मुख्य चुनाव आयुक्त की इस दलील के आधार पर तो क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, टेनिस आदि खेलने वाली या कुश्ती या तैराकी की महिला खिलाड़ियों के मुकाबलों का टीवी प्रसारण भी प्रतिबंधित कर देना चाहिए।

चुनाव आयोग के मुखिया इस सवाल का भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए कि बिहार में बाढ़ और बारिश के चलते इतनी हड़बड़ी में, इतने कम समय में एसआईआर करने की क्यों जरूरत महसूस हुई? चुनाव आयोग ने ऐसा ही एसआईआर आयोग ने महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड, दिल्ली और अन्य राज्यों में चुनाव से पहले क्यों नहीं किया? उनके पास इस सवाल का भी कोई जवाब नहीं था कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में गड़बड़ियों के आरोपों के समर्थन में समाजवादी पार्टी ने 18 हजार हलफनामे चुनाव आयोग को दिए थे, उनका क्या हुआ?

कुल मिलाकर मुख्य चुनाव आयुक्त ने अपनी प्रेस कार्फ्रेंस में जो-जो दलीलें पेश कीं और विपक्षी नेताओं को जिस अंदाज में धमकाया है, उससे यही साबित हुआ है कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था के रूप में काम करने के बजाय केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के गठबंधन की एक सहयोगी पार्टी के रूप में काम कर रहा है।

यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और डरावनी है। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच सियासी तलवारें खिंचना एक स्वाभाविक घटनाक्रम है। लेकिन किसी एक राजनीतिक पक्ष के निशाने पर कोई संवैधानिक संस्था आ जाए और वह संवैधानिक संस्था भी राजनीतिक दल की तरह व्यवहार करने लगे तो उसे व्यवस्था के गहराते संकट के रूप में ही देखा जाएगा।

यह संकट अभी और गहराने वाला है क्योंकि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ बिहार में वोटर अधिकार यात्रा पर निकले राहुल गांधी ने अपने अभियान के दूसरे दिन चुनाव आयोग को चेतावनी देने के अंदाज में कहा कि, 'कुछ दिन इंतजार कीजिए, देश के हर विधानसभा क्षेत्र के मतदाता चुनाव आयोग से हलफनामा मांगेंगे।'

यानी मतदाता सूची में बडे पैमाने पर हेराफेरी के जो सबूत राहुल ने अभी सिर्फ कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र के दिए हैं, वैसे मामले अभी अन्य क्षेत्रों के भी सामने आएंगे, जो चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा करेंगे। चुनाव आयोग के पास अभी भी समय है। वह चाहे तो अपनी वाश्तविक भूमिका में आकर विपक्ष के साथ संवाद शुरू कर सकता है।

लोकतंत्र के खिलाफ खतरनाक खेल खेल रहा विपक्ष

अर्जुन देशप्रेमी

विपक्ष के नेता राहुल गाँधी के द्वारा चुनाव आयोग पर लगाये गए आरोपों के बाद जिस अंदाज़ में चुनाव आयोग ने पलट वार किया है। उसके बाद एक स्वाभाविक सा प्रश्न उठ खड़ा हुआ है कि राहुल गाँधी और पूरा विपक्ष अगर अपने आरोपों से पीछे नहीं हटता है और चुनाव आयोग अपने रुख पर कायम रहता है तो भविष्य में होगा क्या? इस पूरे प्रकरण में लोकतंत्र का क्या होगा? देश का क्या होगा? देश किस दिशा में बढ़ रहा है और उपरोक्त स्थितियों में देश का भविष्य कैसे निर्धारित होगा?

कुछ लोग, विचारक, पत्रकार, बुद्धिजीवी कह सकते हैं कि इन सब प्रश्नों पर विचार का अभी उचित समय नहीं आया है। पर सच यह है कि अभी से इसपर विचार जरूरी है जिससे भविष्य में आने वाले किसी भी संकट का हल समय रहते खोजा जा सके।

दरअसल लोकतंत्र में जितना महत्व संविधान का है उतना ही संवैधानिक संस्थाओं का है। इस लिहाज से चुनाव आयोग की बेदाग और निष्पक्ष छवि लोकतंत्र की मजबूती के लिए बेहद जरूरी है।

पर दुर्भाग्य यह है कि देश में पूरा विपक्ष जिस तरह से व्यवहार कर रहा है और प्रश्न उठा रहा है, उसमे ऐसा लगने लगा है कि उनको चुनाव आयोग पर किसी तरह का विश्वास है ही नहीं।

चुनाव आयोग के तमाम जवाबों के बाद भी विपक्ष, खासकर राहुल गाँधी और उनकी पार्टी चुनाव आयोग को ही वोट चोर कहने से बाज नहीं आ रहे हैं। इधर चुनाव आयोग ने अल्टीमेटम जारी कर दिया है कि राहुल गाँधी 7 दिन में माफी मांगे या हलफनामा दें। दूसरा कोई विकल्प नहीं है।

इसके बाद विपक्ष और हमलावर हो गया है और साफ दिख रहा है कि राहुल गाँधी न तो हलफनामा देंगे न ही माफी मांगेंगे। अगर राहुल गाँधी और उनके साथ विपक्ष ऐसा नहीं करते हैं तो चुनाव आयोग की विश्वसनीयता का क्या होगा? क्या इससे चुनाव आयोग को लेकर लोगों के मन में भ्रम या अविश्वास पैदा नहीं होगा? ऐसे में होगा क्या? क्या चुनाव आयोग चुप्पी साधकर बैठ जाएगा या कोई कानूनी कदम उठाएगा? क्या राहुल गाँधी के खिलाफ मुकदमे दर्ज करेगा या कराएगा?

इन प्रश्नों के उत्तर के साथ सवाल उठता है कि अगर राहुल गाँधी के खिलाफ चुनाव आयोग कोई हलके कदम उठाता है तो राहुल गाँधी एंड पार्टी अपने को शहीद बताकर लोगों में सहानुभूति के लिए आन्दोलन खड़ा करेगी और उसका फायदा उठाएगी।

और यदि आयोग कोई कड़े कदम उठाता है तो संभव है पूरा विपक्ष चुनाव आयोग के खिलाफ सड़कों पर उतरकर देश को हिंसा, विद्रोह, गृहयुद्ध में झोंकने जैसा काम शुरू कर दे। यह भी संभव है कि विपक्ष देश में चुनावों का बहिष्कार ही कर दे। यह दोनों ही स्थितियां देश के लिए खतरनाक हैं।

पर इसके साथ ही समस्या तब और विकराल हो जाएगी। अगर ऐसा होता है तब देश में होगा क्या? क्या देश बांग्लादेश को नहीं दोहरा रहा होगा ? क्या तब देश का लोकतंत्र छिन्न भिन्न नहीं हो जायेगा? क्या देश को यह मंजूर होगा? फिर इससे बचने

का उपाय क्या है?

एक उपाय है कि सभी चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त राहुल गाँधी और विपक्ष के आरोपों को मान ले और इश्तीफा दे दें। कह दें कि यदि हम गलत हैं तो आप सही आदमी को ले आइये।

ऐसे में फिर क्या होगा? सरकार या कानूनों के हिसाब से जिसे भी अगला चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया जायेगा, उसपर राहुल गाँधी मान जायेंगे? क्या गारंटी है कि उसे भी ये भाजपा का आदमी नहीं बताएँगे? फिर तो यह अंतहीन सिलसिला बन जायेगा जबतक की उनकी मर्जी के आदमी को चुनाव आयुक्त न बना दिया जाये।

अगर उनके हिसाब से या उनके चहेते या उनकी पसंद से चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त को चुना जायेगा तो फिर उसपर भाजपा और उसके सहयोगी दल कैसे राजी होंगे? तो फिर चुनाव आयोग बचेगा कैसे? चूँकि राहुल गाँधी और विपक्ष का तो आरोप ही है कि चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त ही गड़बड़ है, तो फिर जब इनकी नियुक्ति ही नहीं हो पायेगी तो देश में चुनाव कराएगा कौन? और चुनाव होंगे ही नहीं, या उनकी विश्वसनीयता ही नहीं बचेगी, तो देश में लोकतंत्र बचेगा कैसे?

कुछ लोग कहेंगे कि सुप्रीम कोर्ट को यह काम दे दिया जाये। या तो वही चुनाव कराये या वही चुनावों की निगरानी करे। इस सुझाव में दम तो है, पर क्या ऐसे में परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से देश में सुप्रीम कोर्ट ही 'भारत भाग्य विधाता' नहीं बन जायेगा? और मान लीजिये सुप्रीम कोर्ट ही चुनाव कराये और उसमें जो हारे, वह आरोप लगाने लगे कि सुप्रीम कोर्ट ही 'वोट चोर' है, तो फिर क्या होगा? वैसे भी राहुल गाँधी और विपक्ष सुप्रीम कोर्ट के हर उस फैसले पर सवाल उठाता है जो उसके खिलाफ जाता है।

ऐसे में क्या कोई इस बात की गारंटी ले सकता है कि सुप्रीम कोर्ट के द्वारा कराये गए चुनाव के परिणामों पर राहुल गाँधी और उनके सहयोगी सवाल नहीं उठाएंगे? महाराष्ट्र के चुनावों पर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों ने ही अपने फैसलों से बता दिया कि वहां चुनावों में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। वाबजूद इसके विपक्ष कह रहा है कि वहां वोट चोरी से भाजपा जीती।

यदि ऐसा हुआ तो फिर इस देश में लोकतंत्र का होगा क्या, यह सवाल फिर सामने आ जाता है। एक प्रश्न यह भी है कि अगर गलती से भी भाजपा चुनाव हारने लगी तो क्या वह ठीक उसी तरह के आरोप नहीं लगाने लगेगी जैसा कि राहुल गाँधी और कांग्रेस के साथ विपक्ष लगा रहा है।

होना तो यह चाहिए था कि अगर चुनावों में कोई गड़बड़ी हुई है तो उसके खिलाफ राहुल गाँधी, कांग्रेस पार्टी समेत विपक्ष को चुनाव आयोग के खिलाफ मुकदमा करना चाहिए था। वहां साबित करना चाहिए कि चुनाव आयोग चोर है।

उसने भाजपा के साथ मिलकर वोट चोरी की है, कराई है। पर ऐसा लगता है कि विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा नहीं है। इसी कारण से वह सीधे सीधे संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ ही हल्ला बोल रहे है। पर ऐसा करते हुए विपक्ष भूल जा रहा है कि वह देश के खिलाफ एक ऐसा काम कर रहा है, जिसकी परिणति बहुत ही खतरनाक होगी। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

साइबर क्राइम टीम ने रूपये कराए वापस

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

07 सितंबर 2024 को आवेदक भीष्म व्रत यादव निवासी वैष्णो रोयल सिटी फेज 3 सिंधौली थाना गाँधीपार्क अलीगढ़ के द्वारा अवगत कराया गया कि वर्क फ्राम होम के नाम पर उनकी पत्नी के खाते से कुल 6,83,050 रूपये की धोखाधड़ी कर ली गयी थी। इस सम्बन्ध में 02 मई 2025 को 1930 पर कॉल कर एनसीआरपी पोटल पर भी शिकायत दर्ज करायी गयी थी।

साइबर अपराध की रोकथाम व साइबर अपराध के विरुद्ध चलायें जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमती ममता कुरील पुलिस अधीक्षक अपराध के निर्देशों के अनुपालन में व श्रीमती सर्जना सिंह, क्षेत्राधिकारी क्राइम के निकट पर्यवेक्षण में थाना साइबर क्राइम टीम द्वारा शिकायतकर्ता भीष्म व्रत यादव से घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त कर शीघ्र सम्बन्धित बैंक, पेमेन्ट गेट वे व मर्चेन्ट से सम्पर्क करके फ्रॉड की गयी धनराशि को रूकवाया गया व शिकायतकर्ता के खाते में 1,53,000 रुपये वापस करा दिये गये, शेष ठगी गई धनराशि पर कार्यवाही प्रचलित है। उक्त प्रकरण में 1,54,800 रुपये की धनराशि पूर्व में भी वापस करायी जा चुकी है। शिकायतकर्ता द्वारा जनपद पुलिस को धन्यवाद कर भूरि- भूरि प्रशंसा की गयी।

तमंचा कारतूस सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिले में अपराध की रोकथाम व अवैध शस्त्र रखने वाले शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना रोरावर पुलिस टीम ने एक शातिर अभियुक्त अकील पुत्र यासीन निवासी नियामत के मकान में किराये पर मौहल्ला आसिफ बाग नीवरी मोड थाना रोरावर अलीगढ़ को एक तमंच 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ मजहर की कोठी गली न0 4 सद्दाम फैक्ट्री के गेट के पास से गिरफ्तार किया।

तीन शातिर चोर गिरफ्तार, तमंचा, मोटरसाईकिल व मोबाइल बरामद

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सासनी गेट पुलिस टीम द्वारा तीन शातिर अभियुक्त आकाश तोमर पुत्र पप्पू सिंह निवासी डोरी नगर भोला दूध वाले के पास थाना गांधी पार्क जनपद अलीगढ को एक तमंचा व दो जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ व धर्मेन्द्र कुमार जाटव उर्फ बन्टी पुत्र दयाशरण निवासी बाबा धाम मन्दिर के पास के.पी. सिंह पार्षद वाली गली पला साहिबाबाद थाना सासनी गेट जनपद अलीगढ़ को एक तमंचा 32 बोर मय एक कारतूस 32 बोर के साथ तथा शिव कुमार उर्फ शिव सागर पुत्र राम बाबू निवासी बाबा धाम मन्दिर के पास पला साहिबाबाद थाना सासनी गेट जनपद अलीगढ को एक चाकू के सहित थाना रोरावर पर बीएनएस से सम्बन्धित चोरी के दो स्क्रीन टच मोबाईल जिनमे एक नीले रंग वीवो कम्पनी तथा थाना गभाना पर पंजीकृत बीएनएस से सम्बन्धित चोरी एक मोटर साईकिल काले रंग की हीरो स्पलेन्डर प्लस के साथ आगरा रोड इण्डेन पैट्रोल पम्प के पास से गिरफ्तार किया।

पीओपी प्रतिमा विसर्जन से प्रदूषित होती है गंगा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कहा कि मां गंगा की निर्मलता और जीवनदायिनी धारा को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि गणेश उत्सव पर पीओपी की प्रतिमाओं का न तो घरों में स्थापना की जाए और न ही उनका विसर्जन किसी नदी, तालाब अथवा जलाशय में किया जाए। उन्होंने कहा कि पीओपी की प्रतिमाओं और रासायनिक रंगों के कारण न केवल जल प्रदूषित होता है, बल्कि जलचर जीवों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है।

डीएम संजीव रंजन श्री अखिलेश्वर महादेव मंदिर द्वारा गंगा को प्रदूषण मुक्त करने की मुहिम के तहत तैयार जागरूकता पोस्टर का लोकार्पण कर रहे थे। उन्होंने इसे एक सराहनीय पहल बताते हुए आमजन से आह्वान किया कि धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलना ही वाश्तविक पूजा है। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सतीश गौड़ ने बताया कि 25 अगश्त को सायं 5 बजे से मंदिर प्रांगण में इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं का निःशुल्क वितरण किया जाएगा।

खाद की कालाबाजारी पर योगी सरकार सख्त, अफसरों को निर्देश- लगातार करें मॉनिटरिंग, उपलब्धता की जानकारी दी

लखनऊ , एजेंसी। योगी सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि प्रदेश में कहीं भी उर्वरकों की दिक्कत या कमी नहीं है। किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। सरकार ने खाद के अनावश्यक भंडारण न करने की अपील की है। कृषि विभाग ने सभी 18 मंडलों में खाद की उपलब्धता व बिक्री की जानकारी दी। खरीफ सत्र 2024 में इस अवधि (18 अगस्त) तक 36.76 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री हुई थी, वहीं इस वर्ष अब तक 42.64 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री की जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने की किसानों से अपील

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों से अपील की कि खाद का भंडारण न करें। जितनी आवश्यकता है, उतना खाद लें, जब-जब आवश्यकता है, तब-तब खाद लें। हर जनपद में शिकायत प्रकोष्ठ है। किसी भी परेशानी की स्थिति में अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने उर्वरक की ओवररेटिंग, कालाबाजारी करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी है। उन्होंने जनपद में तैनात अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण करने, किसानों से संवाद स्थापित करने और समस्याओं का निस्तारण करने का निर्देश दिया है। कृषि विभाग ने बताया कि प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है।

प्रदेश में पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अभी तक अधिक खाद वितरण किया जा चुका है। विगत वर्ष 27.25 लाख मीट्रिक टन यूरिया वितरण हुआ था, इस वर्ष अभी तक 31.62 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। डीएपी 2024 में वितरण 5.28 लाख मीट्रिक टन का रहा, इस वर्ष यह बिक्री 5.38 लाख मीट्रिक टन हुई। एनपीके उर्वरक (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटेशियम मिश्रण) का वितरण विगत वर्ष 2.07 लाख मीट्रिक टन रहा, इस वर्ष 2.39 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। एमओपी (म्यूरेट ऑफ पोटाश) 0.25 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष इस वर्ष 0.46 लाख मीट्रिक टन वितरित हुआ। वहीं एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) का वितरण 2024 में 1.91 लाख मीट्रिक टन रहा, इस वर्ष किसानों को 2.79 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है।

गत वर्ष की तुलना में 4.37 लाख मीट्रिक टन अधिक यूरिया की बिक्री

खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य पूर्ण हो गया है। मुख्य फसल धान में टॉप-ड्रेसिंग हेतु प्रतिदिन औसतन 49564 मी0टन यूरिया की खपत/बिक्री हो रही है। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 16.04त्न (मात्रा 4.37 लाख मी0टन) अधिक यूरिया उर्वरक की बिक्री हुई है।

नेपाल में 10 गुनी कीमत पर बेच रहे यूरिया, यूपी में खाद की किल्लत के बीच जमकर मुनाफा कमा रहे तस्कर

यूपी में यूरिया के लिए हाहाकार मचा है। नेपाल से सटे प्रदेश के सात जिलों में खाद की किल्लत सबसे ज्यादा है लेकिन तस्करी से नेपाल के खेतों में बहार है। तस्कर यहां खाद की 10 गुना ज्यादा कीमत वसूलकर मोटी कमाई कर रहे हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को खुद खाद तस्करी के मामले में संवेदनशील सिद्धार्थनगर पहुंचकर कार्रवाई की चेतावनी दी। इसके बाद भी तस्कर भारतीय खाद को नेपाल तक पहुंचा रहे हैं। इस खेल में 266.50 रुपये में मिलने वाली एक बोरी यूरिया नेपाल पहुंचते ही 1500 से 2000 रुपये की बिक रही है।

इसी मोटी कमाई के कारण ही नेपाल सीमा से सटे पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज के साथ ही कुशीनगर, देवरिया, गोंडा, बाराबंकी, सहारनपुर, बरेली, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, बांदा, ललितपुर, मथुरा और चंदौली में खाद का संकट गहरा गया है। महराजगंज में खुनुवा से लेकर रेंगहिया तक खाद की तस्करी किसी से छिपी नहीं है।

खाद विक्रेताओं और समितियों से सांठगांठ कर हो रहा खेल : नेपाल में यूरिया की प्रति बोरी कीमत 800 रुपये है लेकिन मधेश क्षेत्र में मांग की अपेक्षा आपूर्ति कम होने से कीमत 1500 से लेकर 2000 रुपये बोरी हो गई है। इसी का फायदा उठाने के लिए तस्करों ने कुछ किसानों, निजी खाद विक्रेताओं व समितियों के सचिवों से सांठगांठ कर खेल शुरू कर दिया। देवी पाटन मंडल के आयुक्त शशि भूषण लाल शुक्ल का कहना है कि नेपाल से सटे सीमावर्ती जिलों के डीएम व एसपी को एसएसबी के साथ समन्वय बनाकर खाद के अवैध परिवहन की सूचना पर तत्काल कार्रवाई के लिए कहा गया है। अगर कहीं भी खाद तस्करी का मामला पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्रावस्ती व बलरामपुर से आसानी से जा रही... : श्रावस्ती में तस्कर दुकानों से 400 से 500 रुपये में यूरिया खरीदकर साइकिल और दूसरे चोर रास्तों से नेपाल पहुंचा रहे हैं। यहां प्रति बोरी 1200 से 1500 रुपये मुनाफे की बात सामने आई है। बलरामपुर से यूरिया नेपाल के कोयलाबास, सिसवारा, ककरहवा, खबरी नाका, गुरुंग नाका, सुकली नाका के किसानों तक पहुंच चुकी है।

हिन्दू गौरव दिवस पर रहेगा वीवीआईपी मूवमेंट, आज कई मंत्रियों का दौरा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल श्रद्धेय स्व0 कल्याण सिंह की चतुर्थ पुण्यतिथि और तृतीय हिन्दू गौरव दिवस पर 21 अगश्त को तालानगरी में भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी सहित कई केंद्रीय एवं प्रदेश श्तरीय मंत्रीगण कार्यक्रम में सम्मिलित होकर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपरान्ह एक बजे हेलीकॉप्टर द्वारा अलीगढ़ पहुंचेंगे और कार्यक्रम के उपरांत 2:15 बजे प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री की यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। जिला प्रशासन ने कार्यक्रम की सफलता एवं सुरक्षा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

उच्चाधिकारियों को व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह आयोजन न केवल श्रद्धेय बाबू जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर होगा, बल्कि हिन्दू गौरव दिवस के रूप में सांस्कृतिक गौरव, स्वाभिमान और संकल्प का संदेश भी देगा। हिन्दू गौरव दिवस का आयोजन संस्कृति, स्वाभिमान और संकल्प का पर्व है। यह अवसर देश और प्रदेश के यशस्वी पूर्व मुख्यमंत्री, प्रखर राष्ट्रवादी नेता स्व. श्री कल्याण सिंह 'बाबूजी' के जीवन मूल्यों एवं योगदान को स्मरण करने का है।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, समाजसेवी, विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजन तथा आमजन बड़ी संख्या में सम्मिलित होंगे। इसके अतिरिक्त केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान प्रातः 9:45 बजे नई दिल्ली से सड़क मार्ग द्वारा चलकर अपरान्ह 12:15 बजे अलीगढ़ आएंगे और कार्यक्रम में सम्मिलित होकर सायं 3:30 बजे वापसी करेंगे। गन्ना विकास मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी प्रातः 11:30 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे और तालानगरी में मुख्यमंत्री के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग कर अपरान्ह 02:30 बजे प्रस्थान करेंगे।

राम मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए लगाई जाएंगी तीन लिफ्ट, सितंबर से शुरू होगा काम

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर भवन निर्माण समिति की तीसरे दिन की बैठक बुधवार को रामकथा संग्रहालय में शुरू हुई। बैठक से पहले समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मीडिया से बातचीत करते हुए एजेंडे की जानकारी दी। साथ ही कल की बैठक में हुई चर्चा पर भी विस्तार से बात की। कल की बैठक में मुख्य रूप से परकोटा और लोअर प्लिंथ पर समीक्षा की गई। रामकथा पर आधारित स्टोन म्यूरल्स को लोअर प्लिंथ में लगाने पर भी गहन चर्चा हुई।

लोअर प्लिंथ में म्यूरल्स लगाने में सामने आई तकनीकी चूक: सितंबर से राम मंदिर में तीन लिफ्ट लगाने का काम शुरू होगा। लिफ्टें जल्द ही अयोध्या पहुंचने वाली हैं। परकोटे में अभी 45,000 क्यूबिक फीट पत्थर लगाया जाना बाकी है, जो आगामी छह सप्ताह में लगा लिया जाएगा। लोअर प्लिंथ में म्यूरल्स लगाने में थोड़ी तकनीकी चूक सामने आई है। रेलिंग के लिए आवश्यक स्थान का ध्यान नहीं रखा गया। अब यह कार्य सितंबर के अंत या अक्तूबर के पहले सप्ताह तक पूरा होगा।

राम मंदिर आंदोलन में शहीद हुए लोगों के स्मारक के लिए स्थान चयनित: राम मंदिर आंदोलन में शहीद हुए लोगों के स्मारक के लिए स्थान का चयन कर लिया गया है। स्मारक वहीं बनाया जाएगा, जहां से आंदोलन के पुरोधा अशोक सिंघल ने देश और दुनिया के रामभक्तों से राम जन्मभूमि की मुक्ति के लिए आंदोलन का आह्वान किया था।

भूमि पूजन में प्रधानमंत्री की ओर से रखी गई शिला यात्री सुविधा केंद्र में स्थापित की जाएगी: स्मारक पर किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं लिखा जाएगा। समिति का कहना है कि ये मंदिर राष्ट्र का मंदिर है, किसी एक व्यक्ति का नहीं। अस्थायी मंदिर को भी संरक्षित किया जा रहा है। यह मंदिर पुराने स्वरूप की तरह लकड़ी से ही बनाया जाएगा। इसे शीशे के कवच से ढका जाएगा। भूमि पूजन में प्रधानमंत्री की ओर से रखी गई शिला यात्री सुविधा केंद्र में स्थापित की जाएगी। इसमें केवल भूमि पूजन का उल्लेख होगा। नृपेंद्र ने साफ कहा है कि नवंबर तक यदि ट्रस्ट निर्माण की तिथि तय करता है तो निर्माण समिति की ओर से हर कार्य समय पर पूरा कर लिया जाएगा।

झूठी निकली एफिडेविट न मिलने की बात... अखिलेश ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना, बोले- खानापूर्ति कर रहे डीएम

लखनऊ , एजेंसी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कासगंज, बाराबंकी और जौनपुर के जिलाधिकारी जिस तरह से हमारे एफिडेविट पर सक्रिय हो गए हैं। उससे यह तो साबित हो गया है कि चुनाव आयोग की एफिडेविट न मिलने की बात झूठी निकली। उन्होंने कहा कि अब जिलाधिकारी इन पर सतही जवाब देकर खानापूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामले में इन जिलाधिकारियों की संलिप्तता की जांच होनी चाहिए।

ज जिस तरह कासगंज, बाराबंकी, जौनपुर के डीएम हमारे 18000 शपथपत्रों के बारे में अचानक अति सक्रिय हो गये हैं, उसने एक बात तो साबित कर दी है कि जो चुनाव आयोग कह रहा था कि 'एफिडेविट की बात गलत है' मतलब एफिडेविट नहीं मिले, उनकी वो बात झूठी निकली। अगर कोई एफिडेविट मिला ही नहीं, तो ये जिलाधिकारी लोग जवाब किस

बात का दे रहे हैं। अब सतही जवाब देकर खानापूर्ति करनेवाले इन जिलाधिकारियों की संलिप्तता की भी जांच होनी चाहिए। कोर्ट संज्ञान ले, चुनाव आयोग या डीएम में से कोई एक तो गलत है ही ना?

जो सीसीटीवी पर पकड़े गये हों उनके द्वारा अपने घपलों पर दी गई सफाई पर किसी को भी रत्ती भर विश्वास नहीं है। झूठ का गठजोड़ कितना भी ताकतवर दिखे पर आखिरकार झूठ हारता ही है क्योंकि नकारात्मक लोगों का साझा-गोरखधंधा अपने-अपने स्वार्थों की पूर्ति करने के लिए होता है, ऐसे भ्रष्ट लोग न तो अपने ईमान के सगे होते हैं, न परिवार, न समाज के, तो फिर भला अपने साझेदारों के कैसे होंगे। ये बेईमान लोग देश और देशवासियों से ताउम्र दगा करते हैं और अंततः पकड़े जाने पर अपमान से भरी जिंदगी जीने की सजा काटते हैं।

भाजपा सरकार, चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत वो 'चुनावी तीन तिगाड़ा' है, जिसने सारा काम बिगाड़ा है और देश के लोकतंत्र पर डाका डाला है। अब जनता इस 'त्रिगुट' की अदालत लगाएगी।

दर्दनाक मौत: खाना बनाने को लेकर जेठानी से झगड़ा, फिर खुद को लगा ली आग; चार बच्चों के सिर से उठा मां का साया

आगरा , एजेंसी। मैनपुरी के गांव भनऊ में मंगलवार को जेठानी से झगड़े के बाद एक महिला ने खुद पर केरोसिन उड़ेलकर आग लगा ली। आग से बुरी तरह झुलसने के बाद उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। 35 वर्षीय मृतका पूजा का मायका हरियाणा के पानीपत जिले में रहते हैं। पुलिस ने परिजन को सूचित कर दिया है। फिलहाल पुलिस को कोई तहरीर नहीं मिली है।

बिछवां थाना क्षेत्र स्थित गांव भनऊ निवासी अनूप कुमार दुबे की पत्नी पूजा का मंगलवार सुबह करीब 8 बजे अपनी जेठानी पूनम से खाना बनाने को लेकर झगड़ा हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि ससुर प्रमोद दुबे भी इसमें शामिल हो गए। झगड़े के बीच पूजा घर की दूसरी मंजिल पर चली गई और केरोसिन उड़ेलकर खुद को आग लगा ली।

जब तक परिवार के लोगों ने आग बुझाई, पूजा गंभीर रूप से झुलस गई थीं। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से परिवार में मातम छा गया। पूजा अपने पीछे चार छोटे बच्चों वैष्णवी, शिवांगी, शिवांश और प्राची को छोड़ गई हैं, जिनका रो–रोकर बुरा हाल है। इस घटना से गांव में शोक का माहौल है। ससुर प्रमोद ने पुलिस को बताया कि उन्होंने जरूरत पड़ने पर प्रयोग के लिए एक ड्रम में चार–पांच लीटर केरोसिन बचाकर रखा था ताकि ड्रम की तली में जंग न लगे।

मिशन शक्ति अभियान-5 अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समश्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु "शक्ति दीदी" के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है। मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समश्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों, कस्बों व मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कॉलेज व कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं व बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को शासन व यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों के बारे में विश्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है। महिलाओ एवं बालिकाओं से वार्ता कर उनके अन्दर आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

ताज देखने पहुंचे पर्यटक को देख चौंक गए जवान...नहीं दिया प्रवेश, युवक ने जताई नाराजगी

आगरा , एजेंसी। ताजमहल देखने पहुंचे कानपुर के एक पर्यटक को रोक दिया गया। उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। उनके पास एक बैग था, जिस पर श्रीराम लिखा हुआ था। बैग के साथ पर्यटक को प्रवेश करने से सीआईएसएफ के जवानों ने रोक दिया। इस पर पर्यटक ने नाराजगी जताई। इसका वीडियो भी सामने आया है।

कानपुर के रहने वाले आशीष ताजमहल देखने के लिए आगरा पहुंचे थे। वह टिकट लेकर स्मारक के गेट पर पहुंचे। उन्होंने अपने बैग को स्कैनिंग मशीन में रख दिया। पर्यटक की मानें तो तभी सीआईएसएफ जवान ने उन्हें रोक दिया। कहा कि बैग लेकर अंदर नहीं जा सकते।

उनके बैग पर श्रीराम लिखा था। आशीष ने इसको लेकर नाराजगी जताई, लेकिन जवानों ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। पर्यटक ने इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। जिसमें वह कह रहे हैं कि देश में रहकर अगर अपने आराध्य का नाम लिखा बैग नहीं ले जा सकते तो ऐसे स्थान का बहिष्कार करना चाहिए।

करोड़ो के प्रोजेक्ट में लापरवाही पड़ी भारी फ़र्म हुई ब्लैक लिस्टेड

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

नगर निगम की बहुप्रतीक्षित कचरे से बिजली बनाने के प्रोजेक्ट में लापरवाही व ढिलाई बरतना इजरायल की नामी कंपनी मैसर्स इक्रेटोस री एंड साइक्लिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड को भारी पड़ गया है। नगर आयुक्त ने बड़ा एक्शन लेते हुए कंपनी के साथ हुए अनुबंध को टर्मिनेट करते हुए कंपनी की समश्त धनराशि जो जमानत के रूप में नगर निगम में जमा थी उसको जप्त कर लिया है और साथ ही साथ कंपनी को ब्लैकलिस्टेड भी कर दिया है।

नगर आयुक्त के इस कदम स्वच्छता के साथ खिलवाड़ करने वाले सकते में आ गए है और स्वच्छता संबंधी प्रोजेक्ट में धीमी गति रखने वाले ठेकेदार और कंपनियों में खलबली मची हुई है। नगर आयुक्त ने साफ शब्दों में कहा शहर की स्वच्छता से खिलवाड़ और लापरवाही किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएगी नियमानुसार सख़्त कार्यवाई आगे भी जारी रहेगी। नगर निगम अलीगढ़ ने शहर की सफाई व्यवस्था को प्रभावी

बनाने के लिए मैसर्स इक्रेटोस री एंड साइक्लिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड को 21 दिसंबर 2023 को नगर निगम अलीगढ़ के साथ 29 वर्षों के लिए अनुबंधित किया गया था, जिसके अंतर्गत कंपनी को नगर निगम द्वारा आवंटन भूमि पर ठोस एवं तरल अपशिष्ट निश्तारण की यूनिट स्थापित करनी थी। अनुबंध की शर्तों के अनुसार यह परियोजना 24 माह की समय-सीमा में पूर्ण की जानी थी। किन्तु कंपनी द्वारा अब तक किसी भी प्रकार का कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया। इसके अतिरिक्त नगर निगम द्वारा लगातार पत्राचार, बैठकें एवं चेतावनियों के बावजूद कंपनी ने अनुबंध की शर्तों का अनुपालन नहीं किया।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा कि अलीगढ़ नगर निगम की सफाई व्यवस्था और जनहित सर्वोपरि है। इकरतोस कंपनी की लगातार लापरवाही और कार्यस्थल पर शून्य प्रगति इस बात का प्रमाण है कि कंपनी अनुबंध निभाने के प्रति गंभीर नहीं है। इस कारण अनुबंध को निरश्त कर ब्लैकलिस्ट करने का निर्णय लिया गया है। कंपनी का अनुबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त किया गया है कंपनी की जमानत धनराशि जब्त की गई है। कंपनी को भविष्य के नगर निगम कार्यों से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

आने वाले भविष्य में कचरे के उत्पादन ठोस कचरे के बेहतर निश्तारण, पर्यावरणीय संतुलन और दुर्गंध से राहत देने की योजना को दृष्टिगत रखते हुए कम से कम 700 टन प्रति दिन क्षमता वाला नया अत्याधुनिक कूड़ा प्रोसेसिंग प्लांट व ए0टू0ज़ेड0 प्लांट में पड़े लगभग 10 लाख मैट्रिक टन कचरे के निश्तारण के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आमंत्रित करने हेतु जल्द ही ई निविदा आमंत्रित की जाएगी।

यूनानी चिकित्सकों द्वारा आईआईसीसी दिल्ली में नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अजमल खान तिब्बिया कॉलेज के चिकित्सकों ने ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कॉन्फ्रेंस (एआईयूटीसी) के सहयोग से नई दिल्ली के इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर (आईआईसीसी) में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

यह शिविर हकीम अजमल खान, जो अपने समय के प्रख्यात यूनानी चिकित्सक, महान स्वतंत्रता सेनानी तथा एआईयूटीसी के संस्थापक थे, को श्रद्धांजलि स्वरूप आयोजित किया गया। उन्होंने अपना जीवन भारतीय चिकित्सा पद्धतियों, विशेषकर यूनानी चिकित्सा, के संवर्धन हेतु समर्पित किया। शिविर का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय विधि मंत्री एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों में राष्ट्रपति के चिकित्सक एवं पद्मश्री सम्मानित डॉ. मोहसिन वली, डॉ. मोहम्मद खालिद सिद्दीकी, ख्वाजा मोहम्मद शाहिद, फुरकान अहमद और वरिष्ठ पत्रकार नीलम महाजन सिंह सहित सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ताओं एवं वरिष्ठ नौकरशाहों ने शिरकत की।

शिविर का नेतृत्व एएमयू के एकेटीसी के अमराजे जिल्द व जोहराविया विभाग (यूनानी डर्माटोलोजी एण्ड वेनेरोलोजी) के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद मोहसिन ने किया।

उनके साथ यूनानी चिकित्सकों की सक्रिय टीम रही जिसमें डॉ. मोहम्मद अनस, डॉ. मोहम्मद शुएब, डॉ. शमशाद आलम, डॉ. नवालुर रहमान खान, डॉ. अरीज अय्यूब और डॉ. दानिश इरफान शामिल थे। लगभग 140 रोगियों ने परामर्श प्राप्त किया और हिजामा (कपिंग थेरेपी), काउटराइजेशन, ट्राइकोस्कोपी, डर्मोस्कोपी और अन्य यूनानी उपचारों से लाभान्वित हुए।

इस अवसर पर संसद सदस्य, पूर्व मंत्री, उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

इनमें बीसीसीआई उपाध्यक्ष एवं पूर्व आईपीएल चेयरमैन राजीव शुक्ला भी शामिल रहे जिन्होंने यूनानी विशेषज्ञों से परामर्श लिया।

शिविर को प्रमुख यूनानी दवा कंपनियों हमदर्द लेबोरेट्रीज, सना हर्बल, न्यू शमा, तिब्बिया फार्मेसी और एआईएमआईएल फार्मा का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ जिन्होंने सभी रोगियों को निःशुल्क दवाएँ उपलब्ध कराईं।

महिला विश्व कप 2025:

BCCI ने वर्ल्ड कप के लिए भारतीय महिला टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से शुरू होकर यह टूर्नामेंट 8 टीमों के बीच खेला जाएगा। नीतू डेविड की अगुवाई वाली महिला चयन समिति ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। टीम की घोषणा के बाद नीतू डेविड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी स्क्वॉड का ऐलान किया। इस बड़े टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी।

शेफाली वर्मा को टीम इंडिया में जगह नहीं मिली: आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है, जो लंबे समय से यह जिम्मेदारी निभा रही हैं। टीम में प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा और जेमिमा रॉड्रिग्स जैसी स्टार खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। हालांकि, शेफाली वर्मा को इस बार टीम से बाहर रखा गया है। हाल के दिनों में उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा और इसी कारण उन्हें स्क्वॉड में जगह नहीं मिल पाई। फिलहाल वह भारतीय ए टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं।

टीम इंडिया का वर्ल्ड कप 2025 शेड्यूल घोषित : आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में भारत अपना पहला मुकाबला 30 सितंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 5 अक्टूबर को टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। 9 अक्टूबर को भारत का मैच साउथ अफ्रीका से, 12 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से, 19 अक्टूबर को इंग्लैंड से, 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से और 26 अक्टूबर को बांग्लादेश से होगा। यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित होगा। पाकिस्तान अपने सभी मैच कोलंबो के न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगा, जबकि भारत में मुकाबले बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी और विशाखापत्तनम में होंगे।

● वर्ल्ड कप 2025 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का स्क्वॉड :

कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ टीम में शामिल हैं- स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष, क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, स्री चरणी, यास्तिका भाटिया और स्नेह राणा।

आईसीसी वनडे रैंकिंग:

केशव महाराज बने नंबर वन गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज बुधवार को आईसीसी द्वारा जारी वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। महाराज ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट लेकर सीरीज के पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। केशव महाराज दो स्थान की छलांग लगाते हुए 687 अंक के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के महेश तीक्ष्णा और भारत के कुलदीप यादव को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। तीक्ष्णा दूसरे जबकि कुलदीप तीसरे स्थान पर चले गए हैं। नामीबिया के बर्नार्ड स्कोल्ट्ज चौथे, अफगानिस्तान के राशिद खान पांचवें, न्यूजीलैंड के मिचेल सेंटनर छठे, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी सातवें, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा आठवें, भारत के रवींद्र जडेजा नौवें और ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा दसवें स्थान पर हैं।

शीर्ष 10 गेंदबाजों में 9 गेंदबाज स्पिनर हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी एकमात्र तेज गेंदबाज हैं, जिनका नाम वनडे के शीर्ष दस गेंदबाजों की सूची में शामिल है। केशव महाराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को हुए वनडे मैच में 10 ओवर में 33 रन देकर 5 विकेट लिए। उनके दमदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 98 रन से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 297 रन की जरूरत थी।

केशव महाराज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए मैच में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। महाराज दक्षिण अफ्रीका की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 300 विकेट लेने वाले पहले स्पिनर बन गए हैं। महाराज ने 59 टेस्ट में 203, 49 वनडे में 63 और 39 टी20 में 38 विकेट लिए हैं। उनके कुल अंतरराष्ट्रीय विकेटों की संख्या 304 है।

शॉन पोलॉक 823 विकेटों के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल गेंदबाज हैं। पोलॉक ने 421 टेस्ट, 387 वनडे और 15 टी20 विकेट लिए हैं।

एशिया कप के लिए श्रेयस अय्यर की जगह बनाई जा सकती थी: चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 के लिए बीसीसीआई ने 19 अगस्त को टीम की घोषणा कर दी। 15 सदस्यीय टीम में श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली है। पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि श्रेयस अय्यर को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में एशिया कप के लिए टीम के साथ रखा जा सकता है।

आकाश चोपड़ा ने कहा है कि श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर रखने की वजह से उनके टी20 करियर को लेकर बोर्ड की तरफ से कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहा है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने बुधवार को अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, श्रेयस अय्यर ने शॉर्ट गेंद के खिलाफ अपनी कमजोरी में सुधार किया है। स्पिन को बेहतर खेलते हैं। आईपीएल में 175 की स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए और अपनी कप्तानी में पंजाब किंग्स को फाइनल में लेकर गए। इसके बावजूद उन्हें एशिया कप की मुख्य और रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में जगह न मिलना हैरान करता है। आकाश चोपड़ा ने कहा कि यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और प्रसिद्ध कृष्णा का नाम रिजर्व खिलाड़ियों में है, लेकिन यहां भी श्रेयस का नाम नहीं है। रिजर्व सूची में उनका नाम होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि श्रेयस अय्यर को टीम में आने के लिए और क्या करना होगा। श्रेयस जो कर चुके हैं, उससे ज्यादा क्या कर सकते हैं? आईपीएल में अपनी कप्तानी में पंजाब को फाइनल में ले गए, 600 से अधिक रन बनाए, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रन बनाए और टीम को चैंपियन बनाया, रणजी खेला और चैंपियंस ट्रॉफी जीती। एक इंसान के तौर पर आप बस इतना ही कर सकते हैं। आकाश ने कहा कि यह एशिया कप है।

इसे विश्व कप से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। मेरा मानना है कि अगर श्रेयस वनडे मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते रहे तो टी20 विश्व कप 2026 की टीम में जगह बना सकते हैं। मुझे यकीन है कि वह टी20 विश्व कप का हिस्सा होंगे।

श्रेयस अय्यर भारत की तरफ से 51 टी20 मैचों की 47 पारियों में 136.13 की स्ट्राइक रेट से 1,104 रन बना चुके हैं। इस दौरान 8 अर्धशतक उन्होंने लगाए हैं। सर्वाधिक स्कोर 74 है।

रोहित शर्मा-विराट कोहली को ढ्ष्ष्ट ने वनडे बैटिंग रैंकिंग से किया बाहर?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा व स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को आईसीसी ने अपनी ताजा वनडे बैटिंग रैंकिंग से बाहर कर दिया। आईसीसी ने वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग 20 अगस्त को जारी की, लेकिन इसमें टॉप 10 में कोहली और रोहित नजर नहीं आए जो इससे पहले की रैंकिंग में टॉप 10 में शामिल थे। आईसीसी ने जब वनडे के बल्लेबाजों की पिछली रैंकिंग जारी की थी उसमें रोहित शर्मा ने बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया था और वो दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे। वहीं विराट कोहली उस रैंकिंग में चौथे स्थान पर थे, लेकिन अब ताजा रैंकिंग में दोनों के नाम गायब हैं। अभी की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर बाबर आजम पहुंच गए हैं जबकि चौथे नंबर पर अभी चरित असलंका है। अब टॉप 10 से कोहली और रोहित का नाम आईसीसी ने क्यों हटा दिया और इसका क्या मतलब है इसका जबाव अभी आईसीसी के पास ही है। यहां सवाल ये है कि पिछली रैंकिंग के बाद जब बाबर आजम ने कोई मैच नहीं खेला है तो उन्होंने दूसरा स्थान कैसे हासिल कर लिया साथ ही साथ वो दूसरे नंबर पर पहुंच गए। चलिए माना कि बाबर दूसरे नंबर पर चले भी गए तो रोहित शर्मा टॉप 10 से बाहर कैसे हो गए। उन्होंने कोई मैच नहीं खेला तो वो गिरकर नीचे आ सकते थे, लेकिन उन्हें रैंकिंग से एकदम से बाहर किया जाना तो कुछ ज्यादा ही अजीब लगता है।

Bo&ing:

विश्व चैंपियनशिप से पहले भारतीय मुक्केबाजों का ब्रिटेन अभ्यास दौरा बाधित

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप से पहले भारतीय मुक्केबाजों की अभ्यास के लिये ब्रिटेन यात्रा वीजा मिलने में विलंब के कारण बाधित हो गई है। भारतीय दल को रविवार को कई देशों के अभ्यास शिविर में भाग लेने शेफील्ड जाना था । चार से 14 सितंबर तक लिवरपूल में होने वाली विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के लिये यह शिविर अहम माना जा रहा है। सिर्फ चार महिला मुक्केबाजों और कोचिंग स्टाफ के कुछ सदस्यों को ही वीजा मिल सका और वे ब्रिटेन पहुंचे हैं। दस सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम और छह महिला मुक्केबाज अभी भी एनआईएस पटियाला में हैं और वीजा मिलने का इंतजार कर रहे हैं। इस समय पुरूष मुक्केबाजों के पास सिर्फ एक कोच है क्योंकि मुख्य कोच धर्मेंद्र यादव समेत तीन अन्य कोच शेफील्ड में हैं। यादव ने कहा, हम तीन यहां पहुंच गए हैं लेकिन बाकी पुरूष मुक्केबाज वीजा का इंतजार कर रहे हैं। हमें बुधवार से अभ्यास शुरू करना था लेकिन इसे रद्द करना पड़ा क्योंकि हमें नहीं पता कि वीजा कब मिलेगा और मुक्केबाज यहां कब पहुंचेंगे। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के कामकाज का संचालन कर रही अंतरिम समिति ने कहा कि वह ब्रिटेन में भारतीय दूतावास, खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के लगातार संपर्क में है। समिति के सदस्य अर्जुन मलिक ने कहा, लेकिन प्रक्रिया स्वचालित है जिससे किसी भी दखल से विलंब का समाधान नहीं निकल सकता । हमारी तरफ से पूरी तैयारी है लेकिन तस्वीर साफ होने पर ही बाकी सदस्य बिना विलंब के ब्रिटेन पहुंच सकेंगे ।

● वीजा विलंब से एथलीट परेशान

अभी तक 31 सदस्यीय दल में से 12 सदस्य इंग्लैंड पहुंच पाए हैं। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत जरीन, मीनाक्षी, पूजा रानी और नुपूर शेरोन ही शेफील्ड पहुंच सके हैं। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन, राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता जैसमीन लंबोरिया, एशियाई खेलों के पदक विजेता नरेंदर समेत बाकी अभी पटियाला में ही हैं। शिविर में आयरलैंड, फ्रांस, जर्मनी, उजबेकिस्तान, अमेरिका और पोलैंड समेत कई देशों के मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

Sinquefield Cup Chess:

सिंकफील्ड कप में गुकेश की जीत, अब्दुसत्तोरोव को हराकर की जबरदस्त वापसी

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी। पहले दौर में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञानंद ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने शुरुआती दौर की असफलता को पीछे छोड़ते हुए यहां सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर शानदार जीत दर्ज की।

पहले दौर में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञानंद ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे। एक अन्य मैच में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिज़स्टॉफ़ को हराया। अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने हमवतन सैमुअल सेवियन के साथ ड्रॉ खेला और संयुक्त बढ़त बनाए रखी। एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने 10 खिलाड़ियों के 3,75,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेला।

अब जबकि सात दौर का खेल होना बाकी है तब प्रज्ञानंद, अरोनियन और फिरोजा 1.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। गुकेश, कारूआना, वेस्ली सो, सेवियन और वाचियर-लाग्रेव संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। डूडा आधे अंक के साथ नौवें स्थान पर हैं, जबकि अब्दुसत्तोरोव लगातार दूसरी बाजी हारने के बाद अभी तक अपना खाता नहीं खोल पाए हैं।

सालाह इंग्लिश फुटबॉल के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए, महिलाओं में कैल्डेन्टी को अवॉर्ड

लंदन, एजेंसी। इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले साथी पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह को मंगलवार को प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन पुरस्कारों में पिछले सत्र के लिए इंग्लिश फुटबॉल में साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष चुना गया। वहीं, महिलाओं में आर्सेनल की मिडफील्डर मैरियोना कैल्डेन्टी ने यह अवॉर्ड जीता।

इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले साथी पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। मिस्र के इस 33 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने प्रीमियर लीग में 29 गोल किए, जिसकी बदौलत लिवरपूल ने रिकॉर्ड 20वीं बार चैंपियनशिप जीती। सालाह ने इस वर्ष के शुरू में तीसरी बार फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन का फुटबॉलर ऑफ द ईयर पुरस्कार भी जीता था।

महिला वर्ग में 29 वर्षीय कैल्डेन्टी ने आर्सेनल के साथ अपने पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया और सभी प्रतियोगिताओं में 19 गोल किए। एस्टन विला के मिडफील्डर मॉर्गन रोजर्स को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष युवा खिलाड़ी चुना गया, जबकि सबसे अधिक कीमत पर आर्सेनल से जुड़ने वाली कनाडा की स्ट्राइकर ओलिविया स्मिथ ने महिला वर्ग में यह पुरस्कार हासिल किया।

फुटबॉल की अन्य खबरों में किलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1-0 से जीत दर्ज की।

पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेजबान टीम को जीत दिलाई। एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे।

रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की। बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत दर्ज की थी।

Asia Cup Hockey:

एशिया कप के लिए भारतीय हॉकी टीम का एलान, लाकड़ा और दिलप्रीत को जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान बुधवार को किया गया जिसमें फॉरवर्ड शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह ने अपनी जगह बरकरार रखी है। टूर्नामेंट 29 अगस्त से सात सितंबर तक खेला जायेगा जिसके विजेता को अगले साल एफआईएच पुरूष विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा जो 14 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होना है। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम के कप्तान हैं । राजिंदर सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत आस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा थे। राजिंदर को शमशेर सिंह की जगह चुना गया, जबकि लाकड़ा ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने वाले ललित उपाध्याय की जगह ली है। दिलप्रीत को गुरजंत सिंह पर तरजीह मिली है। स्ट्राइकर ललित उपाध्याय ने जून में एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया था। भारत को एशिया कप में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ पूल ए मिला है। भारतीय टीम 29 अगस्त को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद 31 अगस्त को जापान और एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलना है। गोलकीपिंग का दारोमदार कृशन बी पाठक और सूरज करकेरा पर होगा। डिफेंस में हरमनप्रीत और अमित रोहिदास के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह हैं। मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत जिम्मा संभालेंगे। नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति को रिजर्व में रखा गया है। टीम चयन के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, हमने अनुभवी टीम चुनी है । विश्व कप क्वालीफिकेशन को देखते हुए एशिया कप हमारे लिए महत्वपूर्ण है लिहाजा हमें दबाव में अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी चाहिए।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर- सूरज करकेरा, कृशन बी पाठक

डिफेंडर- हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास , जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह

मिडफील्ड- मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह

फॉरवर्ड- मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह

रिजर्व खिलाड़ी- नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति।